



एक नजर

लालकृष्ण आडवाणी को इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल से मिली छुट्टी

नई दिल्ली,एजेंसी। पूर्व उप प्रधानमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल से सोमवार को छुट्टी मिल गई। इससे पहले अस्पताल ने अपने स्वास्थ्य बुलेटिन में बताया था कि लालकृष्ण आडवाणी गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती हैं, जहां उनकी हालत स्थिर है और वे कड़ी चिकित्सा निगरानी में हैं। 98 वर्षीय आडवाणी को सीने में संक्रमण की शिकायत के बाद 16 अक्टूबर को इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें आईसीयू में रखा गया था और न्यूरोलॉजी विभाग के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. विनीत सूरी की निगरानी में उनका उपचार चल रहा था। उनके समर्थकों ने आडवाणी के जल्द ठीक होने पर राहत जताई। वर्ष 1980 में भाजपा के गठन के बाद से ही आडवाणी वह शख्स हैं जो सबसे ज्यादा समय तक पार्टी अध्यक्ष पद पर रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष पद पर वे 1986 से 1991 तक, 1993 से 1998 तक और 2004 से 2005 तक रहे। आडवाणी भाजपा के पूर्ववर्ती संगठन भारतीय जनसंघ के भी अध्यक्ष रहे हैं।अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार में वे गृहमंत्री और जून 2002 से मई 2004 तक उप प्रधानमंत्री भी रहे।

गायक जुबिन नैटियाल के पिता रामशरण नैटियाल कांग्रेस में शामिल

नई दिल्ली। जाने-माने पार्श्व गायक जुबिन नैटियाल के पिता रामशरण नैटियाल सोमवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। उन्होंने कुछ दिन पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) छोड़ी थी। दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में उत्तराखंड प्रमारी कुमारी शैलजा, प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, कांग्रेस कार्यसमिति सदस्य गुरदीप सिंह सप्याल और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य की मौजूदगी में उन्होंने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। कांग्रेस महासचिव और उत्तराखंड प्रमारी कुमारी शैलजा ने इस मौके पर पुनाव आयोग, अफिता मंडारी हत्याकांड और उत्तराखंड सरकार में कथित भ्रष्टाचार के मुद्दे उठाए।

उन्होंने आरोप लगाया कि देश में लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सवाल उठ रहे हैं और राहुल गांधी लगातार मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों का मुद्दा उठा रहे हैं। उन्होंने कक्ष कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर विपक्ष और जनता के साथ-साथ दो चुनाव आयुक्तों को भी आपत्ति दर्ज करवाई है। शैलजा ने अफिता मंडारी हत्याकांड का जिक्र करते हुए कहा कि मामले में कथित वीआईपी के नाम और ऑडियो सामने आने के बावजूद सभी पक्षों की जांच नहीं हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कथित वीआईपी के तौर पर चर्चा में आए दुष्यंत गौतम से पूछताछ नहीं हुई। उन्होंने गौतम को सिफियत का राश्यापाल नियुक्त किए जाने पर भी सवाल उठाए। शैलजा ने उत्तराखंड सरकार में मंत्री रेखा आर्या के पति की ओर से लगाए गए कथित भ्रष्टाचार के आरोपों का भी जिक्र किया। उन्होंने सवाल किया कि आरोपों के बावजूद मंत्री को पद से वयो नहीं हटाया गया और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धानी इस मामले में वया कार्यवाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इन मुद्दों को लेकर प्रदेश में आंदोलन करेगी। पार्टी ने 27 और 28 अक्टूबर को विधानसभा सत्र के दौरान विधानसभा घेराव का कार्यक्रम भी घोषित किया है।

ओआईसी में कश्मीर पर दुर्भावनापूर्ण बयानों को भारत ने किया खारिज, पाकिस्तान पर साधा निशाना

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत ने इराक की राजधानी बगदाद में इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के विदेश मंत्रियों की बैठक में कश्मीर के संदर्भ में की गई टिप्पणियों को गलत, पक्षपातपूर्ण तथा दुर्भावनापूर्ण बताते हुए खारिज कर दिया है और आरोप लगाया है कि इसे पाकिस्तान ने सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया है।

भारत ने कहा है कि यह निराशाजनक है कि ओआईसी ने एक बार फिर पाकिस्तान को अपने संकीर्ण सोच वाले एजेंडे के लिए उसका दुरुपयोग करने की अनुमति दी है। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को एक वक्तव्य जारी कर कहा कि जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख देश के अभिन्न अंग हैं और ओआईसी के

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सद्भावना हुडे

आवाज़ अधिकार की

टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग कर भागे तीन बदमाश कोटा से गिरफ्तार

कोटा,एजेंसी। मुंबई के जुहू इलाके में बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की गाड़ी को निशाना बनाकर की गई फायरिंग के मामले में तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया है। इनमें एक नाबालिग भी शामिल है। तीनों को कोटा रेलवे स्टेशन पर पुणे-जयपुर एक्सप्रेस के जनरल कोच से पकड़ा गया। तीनों जनरल कोच में अलग-अलग जगह बैठे थे और ट्रेन से जयपुर पहुंचने के बाद बस से दिल्ली व वहां से नेपाल भागने की फिराक में थे। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि मुंबई पुलिस एवं संबंधित जांच एजेंसियों से प्राप्त तकनीकी सूचना और खुफिया जानकारी के आधार पर आरपीएफ तथा कोटा शहर पुलिस की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई की। संदिग्धों के विदेश भागने की आशंका के बीच टीम ने उन्हें ट्रेन से आगे रवाना होने से पहले ही हिरासत में ले लिया। हिरासत में लिए गए संदिग्धों की पहचान हरियाणा के सोनीपत निवासी रेहान उर्फ सुक्का (18 वर्ष) तथा बिहार निवासी एवं वर्तमान में मुंबई के अंधेरी वेस्ट में रहने वाले ऋत्विक कुर्मी उर्फ रोशन फाइटर (22 वर्ष) के रूप में हुई है। तीसरा संदिग्ध नाबालिग है, जिसकी पहचान कानूनी प्रावधानों के अनुसार गोपनीय रखी गई है। कोटा एसपी तेजस्विनी गौतम ने बताया कि मुंबई पुलिस से बदमाशों के बारे में इनपुट मिलने के बाद पूरी टीम सक्रिय हो गई। 15 मिनट में पूरी ट्रेन को सर्च किया। कोटा एसपी तेजस्विनी गौतम ने बताया कि रेहान उर्फ सुक्का, ऋत्विककुर्मी उर्फ रोशन और एक नाबालिग को आज सुबह 10.18 बजे कोटा से पकड़ा है। तीनों बदमाश लॉरेंस गैंग से जुड़े हुए हैं। रेहान लॉरेंस गैंग के अनिल पंडित के संपर्क में था। उसी ने सोनीपत के एक नाबालिग को अपने साथ प्लान में शामिल किया। बिहार का रहने वाला ऋत्विक रैपिडो चलाता है और मुंबई के अंधेरी वेस्ट में रहता है। हरियाणा का रहने वाला रेहान और एक नाबालिग मजदूरी करते हैं। उन्होंने बताया कि हमलावरों से हथियार नहीं मिले हैं। वाददात के बाद ही ये रवाना हो गए थे। कोटा

सीजेपी के दो नेताओं की न्यायिक हिरासत दो दिन और बढ़ी

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के मामले में काकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के दो नेताओं की न्यायिक हिरासत दो दिनों के लिए बढ़ा दी गई है। स्पेशल एक्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट (एसइएम) ने सौरव दास और आशुतोष रांका की न्यायिक हिरासत बढ़ाने का आदेश दिया।

सीजेपी के दोनों नेता 14 अक्टूबर से जेल में हैं। सोमवार को दिल्ली पुलिस ने दोनों को एसइएम कोर्ट में पेश किया और पांच दिनों की न्यायिक हिरासत बढ़ाने की मांग की। एसइएम कोर्ट ने दोनों की न्यायिक हिरासत दो दिनों के लिए बढ़ाने का आदेश दिया। दरअसल, दिल्ली पुलिस ने सीजेपी के 14 सदस्यों के खिलाफ दो अलग-अलग थानों में एफआईआर दर्ज किया है। मामले में कर्नाट प्लेस और पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने में दो एफआईआर दर्ज की गई हैं। पुलिस के मुताबिक, 13 अक्टूबर, 2026 को सीजेपी के ये सदस्य प्रतिबंधित जंतर मंतर पर निजी परिसर के रास्ते पहुंचे और पुलिसकर्मियों के



टाइगर श्राफ पर फायरिंग करने वालों को बक्शा नहीं जाएगा : फडणवीस

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि फिल्म अभिनेता टाइगर श्राफ पर हुई फायरिंग मामले की पुलिस गहन छानबीन कर रही है। इस मामले में आरोपितों और उनके आकाओं का पता चल गया है। किसी भी आरोपित को बक्शा नहीं जाएगा। इस दौरान आज सुबह उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे टाइगर श्रॉफ के आवास पहुंचे और उनसे मुलाकात की। शिंदे ने फायरिंग की घटना की निंदा की और इसे ‘बेहद घिंताजनक’ बताया। उन्होंने कहा कि घटना के बाद उन्होंने मुंबई पुलिस कमिश्नर और टाइगर श्रॉफ दोनों से बात की है। शिंदे ने बताया कि पुलिस ने दोषियों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए कई टीमें बनाई हैं। उन्होंने कहा कि सरकार शहर में डर फैलाने की कोशिश करने वाले गिरोहों को बर्दाश्त नहीं करेगी। जुद्ध के पुष्पा पार्क के पास रविवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने उनकी कार पर फायरिंग की थी। मुंबई पुलिस ने पुष्टि की थी कि टाइगर सुरक्षित है और उन्हें गोली नहीं लगी है। हालांकि, सोमवार की रिपोर्टें के अनुसार, उन्हें बारूद और कांच के टुकड़ों से मामूली चोटें आईं, जबकि इस घटना में उनका ड्राइवर भी घायल हो गया।

सिटी एसपी ने बताया कि तीनों नेपाल भागने की फिराक में थे। पुलिस अब तीनों बदमाशों को मुंबई पुलिस को सौंपेगी। मुंबई पुलिस हमलावरों के पीछे लगी हुई थी, उन्होंने इसका इनपुट कोटा पुलिस को दिया था। यूपी नंबर की गाड़ी से मुंबई पुलिस के तीन अधिकारी कोटा पहुंचे हैं। उल्लेखनीय है कि अभिनेता टाइगर श्रॉफ रविवार शाम सात बजे अपनी कार से जुहू के पुष्पा पार्क से निकल रहे थे। वे फ्रंट

सीट पर बैठे थे और ड्राइवर गाड़ी चला रहा था। अचानक उनकी गाड़ी पर तीन लोगों ने पांच राउंड फायरिंग कर दी थी। घटना में टाइगर का ड्राइवर और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया था। टाइगर ड्राइवर को लेकर हॉस्पिटल पहुंचे थे। बाद में फायरिंग की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग ने ली। पुलिस के मुताबिक, टाइगर को गोली नहीं लगी, लेकिन उनके बाएं हाथ में बारूद और कांच के टुकड़ों से चोट आई।

भारत पहली बार करेगा अंतरराष्ट्रीय विधिक मापन समिति की 61वीं बैठक की मेजबानी

नई दिल्ली। भारत पहली बार 26 से 28 अक्टूबर तक नई दिल्ली में सीआईएमएल की 61वीं बैठक की मेजबानी करेगा। ये बैठक भारत सरकार के उपभोक्ता मामलों के विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय विधिक मापन संगठन के सहयोग से आयोजित की जा रही है। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के मुताबिक तीन दिवसीय ये बैठक 26 अक्तूबर से नई दिल्ली में होगी। इस बैठक में विश्व के 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि और कानूनी मापन विशेषज्ञों के शामिल होने की उम्मीद है, जिनमें ओआईएमएल के सदस्य देशों, संबंधित सदस्य देशों के साथ अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल हैं। इससे पहले 60वीं सीआईएमएल बैठक 13 और 15 अक्टूबर, 2025 को चेरिस, फ्रांस में आयोजित की गई थी, जिसमें 55 सदस्य देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए थे।

पुलिस स्मृति दिवस पर अमित शाह 21 अक्टूबर को शहीद पुलिसकर्मियों को देंगे श्रद्धांजलि

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इस दौरान वह ‘नशे के खिलाफ लड़ाई’ के संदेश के साथ आयोजित देशव्यापी मोटरसाइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। गृह मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में बताया कि इस रैली में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और चंडीगढ़ सहित विभिन्न राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के साथ-साथ केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और अन्य केंद्रीय पुलिस संगठनों के लगभग 90 मोटरसाइकिल सवार शामिल होंगे। यह रैली देशव्यापी अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत विभिन्न राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों और केंद्रीय बलों के मोटरसाइकिल सवार गुजरात के एकता नगर पहुंचकर एकता परेड-2026 में शामिल होंगे। रैली के माध्यम से मादक



पदार्थों के खिलाफ जागरूकता और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया जाएगा।

पुलिस स्मृति दिवस प्रत्येक वर्ष 21 अक्टूबर को उन पुलिसकर्मियों के बलिदान की याद में मनाया जाता है, जिन्होंने देश की सुरक्षा और सेवा में अपने प्राण न्यौछावर किए। 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख के हॉट स्प्रिंग क्षेत्र में सशस्त्र चीनी टुकड़ी के घात लगाकर किए गए हमले में पुलिस के 10 जवान शहीद हो गए थे। तभी से इस दिन को पुलिस स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पुलिसकर्मियों के बलिदान को चिरस्थायी बनाने और राष्ट्रीय सुरक्षा एवं एकता बनाए रखने में

पुलिस की भूमिका को सम्मान देने के लिए पुलिस स्मृति दिवस-2018 के अवसर पर चाणक्यपुरी स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक राष्ट्र को समर्पित किया था। स्मारक में 30 फुट ऊंचो ग्रेनाइट की केंद्रीय शिल्पकृति, शहीद पुलिसकर्मियों के नाम अंकित ‘शौर्य की दीवार’ और भारतीय पुलिस व्यवस्था के इतिहास एवं विकास को दर्शाने वाला संग्रहालय है। यह स्मारक पुलिस बलों में राष्ट्रीय पहचान, गौरव और कर्तव्य के प्रति समर्पण की भावना को मजबूत करने के साथ आम नागरिकों के लिए भी विशेष महत्व रखता है। मंत्रालय के अनुसार मुख्य कार्यक्रम में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और दिल्ली पुलिस की संयुक्त परेड आयोजित की जाएगी। गृहमंत्री शहीदों को श्रद्धांजलि देने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में गृह राज्यमंत्री, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों एवं केंद्रीय पुलिस संगठनों के प्रमुख, पुलिस पृष्ठभूमि के सांसद, सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होंगे।

मोबाइल पर लाइव रहेगी सरकार, शिवराज ने किसानों को समर्पित किया नया पोर्टल

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को संशोधित एग्री वेलफेयर पोर्टल का शुभारंभ किया। इस पोर्टल का उद्देश्य किसानों तक सरकारी योजनाओं, आर्थिक सहायता और खेती से जुड़ी सटीक जानकारी सीधे उनके मोबाइल फोन पर उपलब्ध कराना है। इससे किसानों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी और आवेदन के लिए अलग-अलग कार्यालयों तथा वेबसाइटों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। चौहान ने शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्पष्ट दृष्टिकोण है कि सरकार हर समय आम नागरिकों और किसानों के लिए मोबाइल पर उपलब्ध रहे। तकनीक की सार्थकता तभी है जब उसका लाभ सीधे खेत-खलिहान तक पहुंचे और किसानों का जीवन आसान बने। उन्होंने कहा कि यह पोर्टल केवल किसानों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स), कृषि वैज्ञानिकों,



शोधकर्ताओं और स्टार्टअप को भी एक मंच पर जोड़ेगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि पोर्टल की सफलता सही और समयबद्ध जानकारी से तय होगी। पुरानी या अधूरी सूचनाएं व्यवस्था पर भरोसा कम करती हैं, इसलिए पोर्टल पर हर जानकारी का लगातार अपडेट होना बेहद जरूरी है। इसके साथ ही भाषा और प्रक्रिया को इतना सरल रखा जाए कि कम पढ़े-लिखे छोटे और सीमांत किसान

भी इसे आसानी से समझ एवं चला सकें। किसानों को इस पोर्टल और डिजिटल टूल्स के इस्तेमाल में माहिर बनाने के लिए देश के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के जरिए एक विशेष प्रशिक्षण अभियान भी चलाया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री शिवराज ने इस महत्वपूर्ण पहल को समय पर तैयार करने के लिए पूरी तकनीकी टीम की सराहना की। यह नया पोर्टल इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के डीबीआईएम 3.0 और जीआईडीडब्ल्यू 3.0 मानकों के अनुरूप तैयार किया गया है जो बेहद सुरक्षित, मोबाइल-अनुकूल और दिव्यांगजनों के उपयोग के लिए भी पूरी तरह सुलभ हैं। यह मंच पीएम-किसान, एग्रीस्टैट और पीएम फसल बीमा योजना जैसी बड़ी पहलों के लिए एक साझा प्रवेश-द्वार का काम करेगा। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण सचिव अतीश चंद्रा और अतिरिक्त सचिव प्रमोद मेहरदा सहित डिजिटल कृषि प्रभाग के साथ ही मंत्रालय व एनआईसी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस पोर्टल में

किसानों को सब कुछ एक ही जगह पर सूचनाएं मिल जाएंगी। मसलन मंत्रालय की सभी योजनाएं, सब्सिडी, नियम और डिजिटल सेवाएं अब एक ही पोर्टल पर मौजूद हैं जिससे समय और भागदौड़ की पूरी बचत होगी। ऑनलाइन पात्रता जांच, सीधे आवेदन और खाते में सहायता राशि पहुंचने से प्रक्रिया पारदर्शी होगी और बिचौलियों की भूमिका खत्म होगी। ग्रामीण क्षेत्रों को ध्यान में रखकर इसे बेहद हल्का और यूजर-फ्रेंडली बनाया गया है जो साधारण स्मार्टफोन और कमजोर नेटवर्क में भी आसानी से काम करता है। इसके साथ ही समय पर सही मौसम की जानकारी भी मिलेगी। जैसे मौसम का हाल, नई वैज्ञानिक खेती के तरीके, बीज-खाद की उपलब्धता और मंडियों के भाव की प्रामाणिक जानकारी सीधे किसान तक पहुंचेगी। दिव्यांगजनों के लिए भी सुगम होगा। आधुनिक सरकारी मानकों के तहत इसे ऐसा बनाया गया है कि दृष्टिबाधित और दिव्यांग भाई-बहन भी स्क्रीन-रीडर और सरल नेविगेशन से इसका लाभ उठा सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने गोयला डेयरी में बायोगैस संयंत्र का किया उद्घाटन

सैफुल्लाह सिद्दीकी, वरिष्ठ पत्रकार
नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को नजफगढ़ क्षेत्र में स्थित गोयला डेयरी में 16 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित 200 मीट्रिक टन प्रतिदिन क्षमता वाले बायोगैस संयंत्र का उद्घाटन किया। दिल्ली नगर निगम द्वारा स्थापित यह संयंत्र गोबर के वैज्ञानिक प्रसंस्करण, स्वच्छ ईंधन के उत्पादन और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे गोबर को नालियों के माध्यम से यमुना में जाने से रोकने, क्षेत्र में स्वच्छता बेहतर बनाने और पशुपालकों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर दिल्ली सरकार के ऊर्जा मंत्री आशीष सुद, दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही, उपमहापौर डॉ. मोनिका पंत, विधायक संदीप सहरावत सहित परियोजना से जुड़े प्रतिनिधि तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि पिछली सरकारों के कार्यकाल में दिल्ली में डेयरी कॉलोनियों की बुनियादी सुविधाओं, जैसे नालियों, ड्रेनेज, पानी की आपूर्ति, कुड़ा उठाने और गोबर संग्रहण की व्यवस्था पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। वर्षों तक दिल्ली में एक भी बायोगैस प्लांट स्थापित नहीं किया गया, जिसके कारण गोबर के उचित प्रबंधन की समस्या बनी रही। वर्तमान सरकार ने पिछले डेढ़ वर्ष में तीन बायोगैस प्लांट शुरु किए। छह अन्य प्लांट स्थापित करने की दिशा में काम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नंगली सकरावती संयंत्र में एक वर्ष में 55 हजार टन गोबर इस्तेमाल हो चुका है और इसके लिए किसानों को साढ़े तीन करोड़ रुपये भी अदा किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली की डेयरी

दो माह में 1,467 सफाई कर्मचारियों को नियमित करने का दावा, दिवाली से पहले 400 और होंगे नियमित: महापौर



शबाना बेगम, सद्भावना टुडे
नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम ने पिछले दो महीनों में 1,467 सफाई कर्मचारियों को नियमित किया है। महापौर प्रवेश वाही ने सोमवार को निगम मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में यह जानकारी देते हुए कहा कि दिवाली से पहले लगभग 400 और सफाई कर्मचारियों को नियमित किया जाएगा। इसके अलावा, आगले तीन महीनों के भीतर करीब 7,630 सफाई कर्मचारियों को नियमित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। महापौर ने कहा कि सफाई कर्मचारियों का नियमितीकरण उनके वर्षों के परिश्रम, समर्पण और सेवा को सम्मान देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे कर्मचारियों और उनके परिवारों को रोजगार में स्थायित्व तथा सामाजिक सुरक्षा प्राप्त करने में मदद मिलेगी। प्रेस वार्ता में उप-महापौर डॉ. मोनिका पंत, स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा, नेता सदन जय भगवान यादव तथा पर्यावरण प्रबंधन सेवाएं समिति के अध्यक्ष संदीप कपूर भी उपस्थित रहे।

महापौर प्रवेश वाही ने बताया कि अक्टूबर माह में वर्ष 1998-2000 और 2000-2002 बैच के 505 सफाई कर्मचारियों को नियमित किया गया है। इसके साथ ही, दिवंगत सफाई कर्मचारियों के आश्रितों को करुणामूलक आधार पर अक्टूबर में 109 पदों पर नियुक्तियां प्रदान की गई हैं। उन्होंने यह भी बताया कि 111 सहायक स्वच्छता निरीक्षकों को पदोन्नत कर स्वच्छता निरीक्षक बनाया गया है। निगम के अनुसार, ये कदम कर्मचारियों के कल्याण, पदोन्नति और



कॉलोनियों में नालियों के निर्माण और ड्रेनेज व्यवस्था में सुधार के लिए 50 करोड़ रुपये का फंड उपलब्ध कराया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ‘वेस्ट टू वेल्थ’ का संकल्प अपशिष्ट को संसाधन में बदलकर विकास और पर्यावरण संरक्षण के नए अवसर पैदा करने की प्रेरणा देता है। गोयला डेयरी का बायोगैस प्लांट इसी सोच को धरातल पर उतारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। गोबर को नालियों में बहाने के बजाय उससे स्वच्छ ईंधन और प्राकृतिक खाद तैयार करना संसाधनों के बेहतर उपयोग का उदाहरण है। इस तरह की पहल स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता के प्रयासों को भी मजबूती प्रदान करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यमुना की

निर्मल बनाने के लिए प्रदूषण को उसके स्रोत पर रोकना आवश्यक है। केवल नदी की सफाई करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन कारणों पर भी प्रभावी कार्रवाई करनी होगी, जिनसे प्रदूषक नदी तक पहुंचते हैं। गोयला डेयरी क्षेत्र में प्रतिदिन लगभग 200 मीट्रिक टन गोबर उत्पन्न होता है, जिसके उचित निस्तारण की व्यवस्था न होने पर इसके नालियों के जरिए यमुना में पहुंचने से प्रदूषण बढ़ने का खतरा है। इस समस्या के समाधान के लिए स्थापित संयंत्र प्रतिदिन 200 मीट्रिक टन गोबर का प्रसंस्करण कर बायोगैस और कंप्रेस्ड बायोगैस का उत्पादन करेगा। इससे प्रतिदिन लगभग 14,000 घन मीटर कच्ची बायोगैस और करीब 5.6 टन शुद्ध कंप्रेस्ड बायोगैस उत्पादित होने का अनुमान है, जिसकी आपूर्ति

यमुना प्रदूषण पर एमसीडी की सख्ती, तीन अनधिकृत धोबी घाट सील

एम.जबिउल्लाह, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। यमुना नदी को प्रदूषण से बचाने के लिए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने अनधिकृत धोबी घाटों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। निगम ने अब तक पुरानी दिल्ली जोन में तीन अनधिकृत धोबी घाटों को सील कर दिया है। वहीं, नियमों का उल्लंघन करने वाले अन्य धोबी घाटों के खिलाफ भी आगामी दिनों में कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान का उद्देश्य यमुना नदी में बिना उपचारित अपशिष्ट जल के प्रवाह को रोकना और पर्यावरणीय मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करना है। दिल्ली नगर निगम के प्रेस एवं सूचना निदेशालय के अनुसार, निरीक्षण रिपोर्टों में कई धोबी घाटों पर एफ्लुएं्ट ट्रीटमेंट प्लांट (ईटीपी) के संचालन, दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) से संचालन की सहमति तथा भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के मानकों के अनुरूप साबुन और डिजेंटेंट के उपयोग में गंभीर कमियां पाई गई हैं। इस संबंध में निगमायुक्त श्री संजीव खिरवार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी अनधिकृत धोबी घाटों को तत्काल बंद करने और अधिकृत धोबी घाटों पर डीपीसीसी के निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। निगमायुक्त के निर्देशों के बाद सभी जोनल उपायुक्तों को आवश्यक कार्रवाई करने के लिए कहा गया है।

नोटिस जारी, बिजली-पानी के कनेक्शन काटने की चेतावी

एमसीडी ने नियमों का उल्लंघन करने वाले धोबी घाट संचालकों को कारण बताओ और अनुपालन संबंधी नोटिस जारी किए हैं। नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि उल्लंघन जारी रहने की स्थिति में सीलिंग सहित अन्य वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त, नियमों का पालन नहीं करने वाले प्रतिष्ठानों के बिजली और पानी के कनेक्शन काटने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। इस संबंध में बीएसईएस और

पाइपलाइन के माध्यम से इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड को की जाएगी। वहीं, प्रसंस्करण के बाद बचने वाली बायोगैस स्लरी का उपयोग प्राकृतिक खाद के रूप में होगा, जिससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ेगी। इस प्रकार, गोबर को उपयोगी संसाधन में बदलकर स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन, कृषि लाभ और यमुना प्रदूषण की रोकथाम में मदद मिलेगी। इस पहल से पर्यावरण संरक्षण के साथ स्थानीय पशुपालकों को आर्थिक लाभ भी मिलेगा। परियोजना के तहत एजेंसी डेयरी संचालकों से 67 पैसे प्रति किलोग्राम को दर से गोबर एकत्र करेगी, जिससे उसके निस्तारण की समस्या कम होगी और वह आर्थिक रूप से उपयोगी संसाधन बनेगा। मुख्यमंत्री ने डेयरी संचालकों और स्थानीय नागरिकों से गोबर नालियों में बहाने के बजाय निर्धारित संग्रहण व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की। साथ ही, संबंधित अधिकारियों और संयंत्र संचालकों से गोबर का नियमित संग्रहण, सुरक्षित प्रसंस्करण और संयंत्र का सुचारु संचालन सुनिश्चित करने की अपेक्षा की। इस अवसर पर मंत्री आशीष सुद ने कहा कि पिछली सरकारों ने पांश कॉलोनियों से डेयरियों को डेयरी फार्मों में तो स्थानांतरित किया, लेकिन गोबर के वैज्ञानिक निस्तारण और बुनियादी सुविधाओं में सुधार के लिए पर्याप्त काम नहीं किया। मुख्यमंत्री के निर्देश पर नगर निगम की परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त वित्तीय सहायता भी उपलब्ध कराई गई है। दिल्ली अब बहानों और देरी के बजाय ठोस कार्य और परिणाम चाहती है। यह प्लांट केवल एक संयंत्र का उद्घाटन नहीं, बल्कि विकास और प्रशासनिक जवाबदेही की नई सोच का प्रतीक है।



दिल्ली जल बोर्ड को सूचित किया गया है।

निगम ने बताया कि शेष उल्लंघनकारी धोबी घाटों के खिलाफ पुलिस और प्रशासन के समन्वय से कार्रवाई की जाएगी, ताकि पर्यावरणीय नियमों का प्रभावी ढंग से पालन कराया जा सके।

यमुना को प्रदूषण से बचाना निगम की प्राथमिकता

निगमायुक्त श्री संजीव खिरवार ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यमुना नदी को प्रदूषण से बचाने के लिए प्रभावी प्रवर्तन, नियमित निगरानी और पर्यावरणीय नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्धारित मानकों का उल्लंघन करने वाले कार्यों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बिना उपचारित अपशिष्ट जल को नालों

दिल्ली विधानसभा की सुरक्षा आठ वॉच टावर और उन्नत निगरानी प्रणालियों से होगी युक्त

शाहनवाज सैफ, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा की सुरक्षा व्यवस्था को व्यापक स्तर पर सुदृढ़ किया जा रहा है। इसके अंतर्गत आठ वॉच टावर स्थापित किए जा रहे हैं, सीआरपीएफ के लिए एक समर्पित गश्ती मार्ग विकसित किया जा रहा है। विधानसभा के विभिन्न प्रवेश द्वारों पर स्वचालित स्लाइडिंग दरवाजे लगाए जा रहे हैं तथा वाहनों की जांच के लिए अंडर व्हीकल सर्विलांस सिस्टम (यूवीएसएस), हाइड्रोलिक ब्लाकिंग बोलार्ड, फोटो पहचान सुविधा से युक्त फ्लैप बैरियर, रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) तकनीक, विस्तारित सीसीटीवी निगरानी नेटवर्क और रिसेप्शन पर डिजिटल प्रबंधन प्रणाली जैसी व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सोमवार को इसकी जानकारी देते हुए कहा कि विधानसभा परिसर की सुरक्षा को और मजबूत करने के उद्देश्य से ये पहल की गई हैं। पूर्व में मिली बम धमकियों और सुरक्षा संबंधी घटनाओं को ध्यान में रखते हुए इन उपायों को विशेष महत्व दिया जा रहा है। विधानसभा परिसर की परिधि पर निगरानी मजबूत करने के लिए रिसेप्शन के पीछे सहित परिसर के सामने और पीछे विभिन्न रणनीतिक स्थानों पर आठ वॉच टावर स्थापित किए जा रहे हैं। इनमें से एक वॉच टावर का निर्माण पूरा हो चुका है। इन वॉच टावरों पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान

तैनात किए जाएंगे, ताकि परिसर की सतर्क निगरानी की जा सके, संवेदनशील क्षेत्रों पर नजर रखी जा सके और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। सीआरपीएफ के जवानों द्वारा विधानसभा परिसर की सीमा के एक छोर से दूसरे छोर तक गश्त सुनिश्चित करने के लिए एक समर्पित गश्ती मार्ग विकसित किया जा रहा है। इस कार्य का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा पूरा हो चुका है। इस मार्ग से सुरक्षा कर्मियों को परिसर की परिधि में अधिक प्रभावी ढंग से गश्त करने, संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर शीघ्र प्रतिक्रिया देने में सहायता मिलेगी। प्रवेश व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए विधानसभा के गेट संख्या 1 से 5 तक स्वचालित स्लाइडिंग दरवाजे लगाए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, हाइड्रोलिक ब्लाकिंग बोलार्ड भी स्थापित किए गए हैं, जो अनधिकृत वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने और संवेदनशील प्रवेश बिंदुओं पर सुरक्षा की एक अतिरिक्त परत प्रदान करने में सहायक होंगे। परिसर में प्रवेश करने वाले वाहनों के जांच के लिए गेट संख्या 2 और 5 पर अंडर व्हीकल सर्विलांस सिस्टम स्थापित किए गए हैं। इन प्रणालियों के माध्यम से वाहनों का निरीक्षण करने तथा संदिग्ध वाहनों और संभावित रूप से फॉर्क नंबर प्लेटों की पहचान करने में सहायता मिलेगी।

दिल्ली हाई कोर्ट ने बलात्कार पीड़िता को 31 सप्ताह का भ्रूण गिराने की दी अनुमति

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने यौन उत्पीड़न की शिकार 16 वर्षीय पीड़िता को 31 सप्ताह का भ्रूण हटाने की अनुमति दे दी है। जस्टिस मिनी पुष्करणा की बेंच ने कहा कि उससे यह उम्मीद नहीं की जानी चाहिए कि वह बच्चे को जन्म देने और उसके पालन-पोषण का बोझ उठाए। न्यायालय ने कहा कि नाबालिग बलात्कार पीड़िता की गर्भावस्था समाप्त करने के अधिकार को एक मानवाधिकार के रूप में भी मान्यता दी जानी चाहिए, क्योंकि अनुमति न देने से उसके सम्मान के साथ जीने के अधिकार पर असर पड़ सकता है। उच्च न्यायालय की ओर से गठित मेडिकल बोर्ड ने पीड़िता को भ्रूण हटाने के लिए फिट पाया। उसके बाद न्यायालय ने कहा कि पीड़िता का सर्वोत्तम हित इसी में है कि उसकी इच्छा का सम्मान किया जाए। सुनवाई के दौरान न्यायालय को बताया गया कि पीड़िता को नई दिल्ली के लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया है। न्यायालय ने डॉक्टरों को निर्देश दिया कि वे भ्रूण के ऊतकों को सुरक्षित रखें, क्योंकि आपराधिक मामले में डीएनए जांच के लिए उनकी जरूरत होगी। न्यायालय ने दिल्ली सरकार को नाबालिग का भ्रूण हटाने का पूरा खर्च उठाने का भी निर्देश दिया। न्यायालय ने कहा कि अगर बच्चा जीवित पैदा होता है, तो अस्पताल के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट को यह सुनिश्चित करना होगा कि बच्चे को हर संभव मदद दी जाए। न्यायालय ने कहा कि ऐसी स्थिति में नाबालिग और उसके परिवार की इच्छा के अनुसार बच्चे को तय प्रक्रिया के तहत गोद दे दिया जाए। न्यायालय ने ये आदेश उस लड़की की ओर से दायर एक याचिका पर दिया, जो यौन उत्पीड़न के बाद गर्भवती हो गई थी। पीड़िता और उसकी मां ने गर्भपात की मांग की थी, उनका कहना था कि गर्भावस्था जारी रहने से नाबालिग को गहरा मानसिक आघात पहुंचेगा। मेडिकल बोर्ड की राय और पीड़िता के हितों पर विचार करने के बाद अदालत ने इस प्रक्रिया की अनुमति दे दी।

दिल्ली के जामा मस्जिद मेट्रो स्टेशन पर संदिग्ध पदार्थ मिलने के बाद भाग रहा यात्री पकड़ा गया

नई दिल्ली। दिल्ली के जामा मस्जिद मेट्रो स्टेशन पर सामान की जांच के दौरान एक्स-रे बैगेज निरीक्षण प्रणाली में संदिग्ध वस्तु का पता चलने के बाद भागने की कोशिश कर रहे एक यात्री को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों ने पीछा कर पकड़ लिया। सीआईएसएफ ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर घटना का वीडियो साझा करते हुए बताया कि दिल्ली मेट्रो रेल निगम के जामा मस्जिद स्टेशन पर सामान की जांच के दौरान एक्स-रे बैगेज निरीक्षण प्रणाली में एक घनी संदिग्ध वस्तु दिखाई दी। इसके बाद यात्री भागने लगा, लेकिन सतर्क जवानों ने तुरंत उसका पीछा किया और स्टेशन के निकास द्वार के पास उसे पकड़ लिया। सीआईएसएफ के अनुसार, यात्री के सामान की आगे जांच करने पर बैग में रखे उसके अंतर्वस्त्र के सिले हुए हिस्से में छिपाकर रखा गया अज्ञात अर्धठोस पदार्थ मिला। यात्री ने खुद को कुआलालपुर में रहने वाला अनिवासी भारतीय बताया। सीआईएसएफ ने यात्री और उसके सामान को आगे की जांच के लिए पुलिस के हवाले कर दिया है। बरामद पदार्थ की प्रकृति और मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच की जा रही है। सीआईएसएफ ने कहा कि इस घटना में जवानों की सतर्कता, त्वरित कार्रवाई और आपसी समन्वय से संदिग्ध यात्री को समय रहते पकड़ लिया गया। यह कार्रवाई व्यस्त मेट्रो स्टेशनों पर सुरक्षा जांच के दौरान बरती जाने वाली चौकसी को दर्शाती है।

मंत्री सिरसा ने एनडीएमसी क्षेत्र में प्रदूषण नियंत्रण के इंतजामों का लिया जायजा

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने सोमवार को नई दिल्ली पालिका परिषद (एनडीएमसी) क्षेत्र में प्रदूषण नियंत्रण के इंतजामों का जायजा लेने के लिए अलग-अलग जगहों पर निरीक्षण किया। नियमों के तहत 3,000 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्रफल वाले निर्माण स्थलों और हाई राइज प्रोजेक्ट्स में एंटी-स्मॉग गन या वॉटर मिस्ट सिस्टम लगाना अनिवार्य है, ताकि धूल को मौके पर ही नियंत्रित किया जा सके। मंत्री सिरसा ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए दिल्ली में प्रदूषण की समस्या के लिए पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पिछली आआपा सरकार की नाकामियों का पुलिंदा पूरी तरह जिम्मेदार है, जिन्होंने 11 सालों तक सिर्फ विज्ञापनों की राजनीति की और सिर्फ दूसरों पर ठीकरा फोड़ा जिसने जनता को जहरीली हवा में जीने के लिए मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा कि अब मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के मजबूत और दूरदर्शी नेतृत्व में हमारी सरकार में बहानेबाजी को दूर रखत हो चुका है और ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। लगातार निरीक्षण, नियमों का सख्ती से पालन और उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई के जरिए हम दिल्ली की हवा सुधारने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। सिरसा ने कहा कि दिल्ली को स्वच्छ हवा मिलने तक हमारा यह प्रयास जारी रहेगा। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में 17 अक्टूबर तक अच्छी, संतोषजनक और मध्यम श्रेणी की वायु गुणवत्ता वाले कुल 211 साफ हवा के दिन दर्ज किए गए हैं। कोविड-19 से प्रभावित वर्ष 2020 को छोड़ दें, तो 2016 से लेकर अब तक दिल्ली का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।



सद्भावना टुडे,संवाददाता
नई दिल्ली। दिल्ली में बारिश और हवा चलने के बावजूद प्रदूषण का स्तर खतरनाक स्थिति में पहुंचने पर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने भाजपा सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि हल्की ठंड बढ़ने के साथ ही दिल्ली की हवा में जहर घुलने लगा है। आईटीओ में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 430 तक पहुंचना और पिछले तीन दिनों में दिल्ली का एक्यूआई दोगुना होना गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक अक्टूबर से लागू विंटर एक्शन प्लान के बावजूद प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण नहीं हो पा रहा है।

देवेंद्र यादव ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण की निगरानी करने वाले 58 केंद्रों में से 23 केंद्रों पर वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में पहुंच गई है, जबकि अभी सर्दी ने पूरी तरह दस्तक भी नहीं दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजधानी के लोगों की सांसों पर संकट मंडरा रहा है, लेकिन मुख्यमंत्री रेखा

बारिश और तेज हवा के बावजूद दिल्ली की हवा जहरीली, प्रदूषण नियंत्रण में भाजपा सरकार विफल: देवेंद्र यादव

गुप्ता और उनकी सरकार इस समस्या को लेकर गंभीर दिखाई नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार प्रदूषण नियंत्रण के लिए ठोस और प्रभावी कदम उठाने के बजाय बार-बार पुराने उपायों की घोषणा करती है। इनमें वर्क फ्रॉम होम, ‘नो पीयूसी, नो फ्यूल’, बीएस-6 मानकों वाले वाहनों को बढ़ावा देने, सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल तथा व्यावसायिक वाहनों पर प्रतिबंध जैसे उपाय शामिल हैं। उन्होंने कहा कि केवल घोषणाओं से प्रदूषण पर काबू नहीं पाया जा सकता, इसके लिए जमीनी स्तर पर प्रभावी कार्रवाई जरूरी है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने दिल्ली नगर निगम को 31 अक्टूबर तक सड़कों, ड्रिवाइडों, फुटपाथों और खुले स्थानों पर जमा धूल, कूड़ा तथा निर्माण मलबा हटाने के निर्देश दिए हैं। इसके बावजूद अक्टूबर के लगभग 20 दिन बीत जाने के बाद भी राजधानी में सफाई और सड़क सुधार की स्थिति संतोषजनक नहीं है। उन्होंने बताया कि दिल्ली में 3,200 किलोमीटर से अधिक सड़कों को तत्काल मरम्मत या पुर्ननिर्माण के लिए चिह्नित किया गया है। इनमें नगर निगम की लगभग 1,202 किलोमीटर, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की 788 किलोमीटर और अनधिकृत कॉलोनियों की लगभग 1,000 किलोमीटर सड़कें शामिल हैं। उन्होंने कहा कि टूटी और जर्जर सड़कों से उड़ने वाली धूल प्रदूषण की समस्या को और गंभीर

बनाती है। ऐसे में सड़क मरम्मत, धूल प्रबंधन और नियमित सफाई पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। देवेंद्र यादव ने सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) के आकलन का हवाला देते हुए कहा कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए निर्धारित खर्च में सड़क की धूल के प्रबंधन को हिस्सेदारी 68 प्रतिशत बताई गई है। उनके अनुसार, वर्ष 2021 से 2026 के दौरान राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत 113 करोड़ रुपये मंजूर किए गए, जिनमें से 81 करोड़ रुपये जारी हुए, जबकि केवल 14 करोड़ रुपये खर्च किए गए।

उन्होंने आरोप लगाया कि यह स्थिति पिछली आम आदमी पार्टी सरकार और मौजूदा भाजपा सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती है। उनके मुताबिक, सरकारें प्रदूषण नियंत्रण के लिए बड़ी-बड़ी घोषणाएं तो करती हैं, लेकिन योजनाओं का प्रभाव जमीन पर दिखाई नहीं देता। उन्होंने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण योजनाओं की सफलता का आकलन केवल बजट आवंटन, खर्च या मशीनों की खरीद के आधार पर नहीं होना चाहिए। यह भी देखा जाना चाहिए कि धन का कितना प्रभावी इस्तेमाल हुआ, प्रदूषण के प्रमुख स्रोतों पर कितना नियंत्रण पाया गया और वायु गुणवत्ता में वास्तव में कितना सुधार आया।

कांग्रेस नेता ने भाजपा की केंद्र, दिल्ली सरकार और नगर निगम में सत्ता की स्थिति पर तंज कसते हुए कहा कि शायद भाजपा की ‘ट्रिपल इंजन’ सरकार तब जागेगी, जब

लोकतंत्र में असहमति के बीच अभिव्यक्ति का हक

ज्योति मल्होत्रा

गत सप्ताहांत सारा ध्यान गुजरात के तटीय इलाके में काठियावाड़ी शहर, जामनगर की ओर खिंच गया, जहां दुनिया की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो वहां रिफाइनरी के मालिक मुकेश अंबानी के उस फैसले की तारीफ करने पहुंचेंगे, जिसमें रूस से तेल आयात कम करने और इसकी बजाय टेक्सस में एक रिफाइनरी बनाने के लिए 300 बिलियन डॉलर के निवेश का निर्णय लिया गया। रूबियो दिल्ली भी नहीं आ रहे हैं। इसका मतलब है कि वे प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात नहीं करेंगे। हाल के समय में ऐसा पहली बार हो रहा है कि कोई अमेरिकी नेता भारत आए और प्रधानमंत्री से न मिले। इसकी बजाय, विदेश मंत्री एस. जयशंकर मुंबई उनसे भेंट करने पहुंचेंगे, जहां जामनगर जाते समय रूबियो को कुछ देर रुकना है। तो, इसका दिल्ली में चल रहे जन-विरोध प्रदर्शनों से क्या लेना-देना है, जहां दिल्ली पुलिस लगातार लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ताओं और ‘कॉकरोच जनता पार्टी’ (सीजेपी) के समर्थकों को बेरहमी से उठा रही है। जिसके सभी शीर्ष नेताओं को भी पुलिस ने पिछले हफ्ते हिरासत में ले लिया। इसका कुछ जवाब कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सोशल मीडिया टाइमलाइन पर मिलता है। रूबियो के दिल्ली न आने की खबर पर, गांधी ने ‘एक्स’ (ट्विटर) पर तीखी टिप्पणी करते हुए लिखा, ‘मिस्टर रूबियो ने अपने कर्मचारी को मुंबई तलब किया है’।

यह स्पष्ट नहीं है कि जयशंकर-रूबियो की मुलाकात में क्या भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर आगे कुछ होने की घोषणा होगी। मोदी सरकार के लिए दांव पर बहुत कुछ लगा है-अगर उसे नरेंद्रिव पर अपना नियंत्रण बनाए रखना है तो राजधानी में चल रहे विरोध प्रदर्शनों को लेकर सुर्खियों से लोगों का ध्यान हटाना ही होगा। बाह्र सालों में पहली बार, ‘इंडिया’ गठबंधन के हमले सही निशाने पर लग रहे। निस्संदेह सीजेपी समर्थकों, नेहा बोरा और उनके सीपीआई-एमएल कार्यकर्ताओं के साथ-साथ देशभर से आ रहे छात्रों के प्रतिबद्ध विरोध प्रदर्शनों ने इसकी गूंज बढ़ा दी है। निश्चित रूप से, जेएनयू की इस युवा छात्रा ने जिस जोश और वाकपटुता से अपनी राजनीतिक विचारधारा को सामने रखा है, उसने इंस्टाग्राम पर मीम और गेम्स के दीवाने भारतीयों की कल्पना को पूर्णतया अपनी ओर खींच लिया – जिनमें से एक गेम का नाम ‘भाग, नेहा, भाग’ है। तथापि, माहौल विरोधाभास भरा



है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र ने दिल्ली के दिल, कर्नाट प्लेस में ‘तिरंगा रैली’ निकालने की अनुमति देने से इनकार कर दिया और सीजेपी के शीर्ष नेतृत्व को हिरासत में ले लिया। जबकि उसी मुंबई में, जहां जयशंकर की मुलाकात रूबियो से होनी है, बांलीबुड अभिनेता इमरान खान –जो एक अमेरिकी नागरिक हैं और ओसीआई कार्ड धारक हैं-उन्हें वापस अपने देश लौटने के लिए कह दिया गया, क्योंकि उन्होंने सीजेपी की रैली में हिस्सा लिया था। वहीं जब जामनगर में अंबानी रूबियो की मेजबानी करेंगे, तो कक्ष में मौजूद हर व्यक्ति को एलन मस्क का ख्याल जरूर आएगा– जो डोनाल्ड ट्रंप के बेहद करीबी हैं और खुलेआम और बारंबार अंबानी के खिलाफ बयान दिए – हालांकि इस बारे में कोई कुछ कहेगा नहीं। बुराई पर अच्छाई की विजय के इस त्योहारी सप्ताह में, जब देवी दुर्गा धरती पर आती हैं और महिषासुर के अंत की घोषणा करती हैं (या देवी सर्वभूतेषु बुद्धिरूपेण संस्थिता), तब यह स्पष्ट नहीं है कि इस ‘अच्छाई की लड़ाई’ में कौन जीत रहा है,

या कौन अच्छा है और कौन बुरा। सिर्फ इतना कि दुनिया का दायरा सिमटता जा रहा है।

उदाहरणतया, जो व्यक्ति तिरंगा फहराना चाहता है, क्या वह एक ‘अच्छा’ ईंसान है या ‘उतना अच्छा नहीं’? आखिरकार, राष्ट्रीय ध्वज फहराना तो एक अच्छाई की श्रेणी में आता है। लेकिन दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर और कर्नाट प्लेस, दोनों जगहों को ही पहुंच के बाहर घोषित कर डाला है, क्योंकि इनमें से कोई भी विरोध-प्रदर्शन के लिए तय की गई जगह नहीं रही। रामलीला मैदान ऐसी जगह है, लेकिन वह इस साल के बाकी दिनों-सिवाय तीन दिनों के-पहले ही बुक हो चुका है। वहां का किराया भी 1.21 लाख रु. प्रतिदिन है। और इस तरह, हमारे सामने एक नैतिक दुविधा खड़ी हो गई है। अब सवाल यह नहीं रहा कि कोई ‘राष्ट्र-विरोधी’ है या नहीं। सवाल यह है कि क्या दिल्ली पुलिस के फैसलों से ऊपर भी कोई है? सारे घटनाक्रम से लग रहा है कि राहुल गांधी ने तय कर लिया है कि कांग्रेस को सीजेपी और अन्य

सियासी संगठनों द्वारा अपना-अपना विरोध प्रदर्शन करते रहने दिया जाए। साथ ही, वे ‘इंडिया गठबंधन की सभी पार्टियों को एक मंच पर लाने की कोशिश कर रहे हैं-खुद बड़े नेताओं को फोन कर शामिल होने के लिए आग्रह कर रहे हैं। मकसद यह दिखाना है कि मतभेदों के बावजूद, मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे के मुद्दे पर विपक्ष एकजुट है। ‘इंडिया’ गठबंधन का इरादा राजनीतिक माहौल गर्माए रखना है, ताकि इसका असर 2027 की शुरुआत में पंजाब, उत्तर प्रदेश, मणिपुर, गोवा और उत्तराखंड में होने वाले विधानसभा चुनावों पर पड़े। ‘इंडिया’ गठबंधन 1 नवंबर को एक और विशाल विरोध प्रदर्शन की योजना बना रहा है। राहुल गांधी के लिए यह ‘करो या मरो’ जैसा राजनीतिक पल है। उनके नेतृत्व में, 2024 के आम चुनावों के बाद से कांग्रेस आठ राज्यों में केवल एक यानि केरल में ही जीत पाई। आने वाले विधानसभा चुनाव के नतीजे उनके नेतृत्व पर एक तरह का जनमत संग्रह बनेंगे। उन्हें अहसास है कि नेहा बोरा और सीजेपी के छात्र नेताओं

के जोश की उन्हें जरूरत है– वे चाहते हैं कि ये कांग्रेस के बड़े दायरे का हिस्सा बनें, यह कहकर कि ‘शिवजी की बारात’ में सभी का स्वागत है। ठीक इन्हीं कारणों से, मोदी और उनके साथियों के बृहद राजनीतिक अभियान के लिए दांव बहुत ऊंचे हैं। वे नहीं चाहेंगे कि नेहा बोरा, सीजेपी के नेता या इंडिया गठबंधन –संयुक्त रूप से अथवा अलग-अलग-फिर से इकट्ठा होकर केंद्रीय मंच पर आएँ। बीजेपी का मानना ​​है कि गत सप्ताह बांग्लादेशी प्रदर्शनकारियों का जिक्र करते हुए नेहा द्वारा दिये अपरिपक्व बयान :‘ये भारत को सत्ता परिवर्तन की राह दिखा रहे हैं’, की मंशा सबके सामने बेनकाब की जानी चाहिए। सरकार को अहसास है कि उसे विरोध-प्रदर्शनों की कमर तोड़नी होगी। यही वजह है कि रूबियो–जयशंकर भेंट-और रूबियो की मुकेश अंबानी के साथ मुलाकात –काफी अहम हैं। निश्चित रूप से, सरकार को उम्मीद है कि ‘ऑयल डिप्लोमेसी’ भारत-अमेरिका के उच्चा-चढ़ाव भरे रिश्तों को संभालने में मदद करेगी, और इससे सरकार को एकाध ऐसी जीत मिल जाए, जिसे वह देश के भीतर दिखा सके। गत मार्च में, अमेरिका-ईरान के बीच टकराव शुरू होने के एक सप्ताह के अंदर, अमेरिका ने भारत को रूसी तेल आयात करने के लिए एक महीने की छूट दी थी; उस दौरान अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 6 मिलियन बैरल तेल खरीदा था।

17 अक्तूबर को, जब ट्रम्प का ‘रूस एक्ट’ लागू होना था, जिसके तहत रूस से तेल आयात करने वाली कंपनियों और भारत जैसे देशों पर प्रतिबंध लगने थे,उससे पहले ही रिलायंस का रूस से तेल आयात शून्य हो चुका है। कंपनी वेनेजुएला से तेल मंगा रही है, जिसके तेल उद्योग पर अब अमेरिकियों का नियंत्रण है। हालांकि ऐन मौके पर ट्रंप ने उक्त फैसला निलंबित कर दिया। उधर अमेरिका में, मिड-टर्म इलेक्शन करीब आ रहे हैं और वहां डीजल की कीमतें आसमान छू रही। मस्क की हैसियत कुछ भी हो, अंबानी ने भी वाशिंगटन डीसी में जगह निश्चित रूप से अर्जित कर ली है। इस बीच, जयशंकर ने ब्लूमबर्ग से बातचीत में कहा है कि भारत कोई ‘मध्यम शक्ति’ नहीं है, बल्कि ‘नई विश्व व्यवस्था के मध्य में स्थित एक अहम शक्ति’ है। हालांकि जेएनयू के पूर्व छात्र रहे जयशंकर भली भांति समझते हैं कि जब तक उनकी सरकार देश के भीतर चल रही उथल-पुथल से संवेदनशीलता से नहीं निपटती, तब तक विदेशों में खुद को ऐसी ताकत के रूप में प्रस्तुत नहीं कर सकते, जिसे गंभीरता से लिया जाए।

भारतीय संस्कृति में दशहरे का संबंध केवल राम की विजय से नहीं, बल्कि मां दुर्गा की महिषासुर पर विजय से भी जुड़ा है। नवरात्र के नौ दिनों में शक्ति की आराधना और दसवें दिन विजयादशमी का उत्सव इस बात का प्रतीक है कि साधना के बाद सिद्धि, संघर्ष के बाद सफलता और आत्मबल के जागरण के बाद विजय का मार्ग प्रशस्त होता है। मां दुर्गा की उपासना हमें यह संदेश देती है कि जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए शक्ति और संवेदना, साहस और विवेक तथा पराक्रम और करुणा का समन्वय आवश्यक है। भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में शक्ति का अर्थ केवल बाहुबल अथवा प्रभुत्व नहीं है, बल्कि आत्मबल, इच्छाशक्ति, धैर्य, आत्मसंयम और अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की नैतिक क्षमता भी है। इसीलिए दशहरा शक्ति की साधना के साथ-साथ उस शक्ति के सदुपयोग का भी पर्व है। दशहरा पर्व का आध्यात्मिक पक्ष अत्यंत गहरा है। बाहररी रावण का दहन तभी सार्थक है, जब मनुष्य अपने भीतर बैठे रावण को पहचानने और परास्त करने का साहस जुटाए। काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा और घेरी जैसी प्रवृत्तियां मनुष्य के व्यक्तित्व को भीतर से दुर्बल बनाती हैं। रावण के दस सिरों को इन दस विकारों के प्रतीक के रूप में भी देखा जा सकता है। प्रतिवर्ष रावण के पुतले जलते हैं, आतिशबाजी होती है और उत्सव संपन्न हो जाता है, लेकिन यदि हमारे भीतर ईर्ष्या, छल, स्वार्थ, द्वेष और अहंकार जीवित रहें, तो विजयादशमी का मूल उद्देश्य अधूरा रह जाता है।

दशहरा: शौर्य, साधना एवं नवसंकल्प का महापर्व

ललित गर्ग

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उसने जीवन के उत्सवों को केवल आनंद और उल्लास तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें आत्मचिंतन, साधना, संस्कार और जीवन-परिवर्तन का माध्यम बनाया है। यहां प्रत्येक पर्व अपने भीतर कोई न कोई शाश्वत संदेश समेटे हुए है। दशहरा अथवा विजयादशमी ऐसा ही प्रेरणादायक पर्व है, जो भारतीय संस्कृति की गहरी जड़ों, आध्यात्मिक परंपराओं और जीवन-दर्शन से जुड़कर मनुष्य को सत्य, साहस, सदाचार और आत्मविजय की राह दिखाता है। यह पर्व हमें स्मरण कराता है कि जीवन की वास्तविक विजय दूसरों को पराजित करने में नहीं, बल्कि अपने भीतर विद्यमान दुर्बलताओं, विकारों और नकारात्मक प्रवृत्तियों पर विजय प्राप्त करने में है। असत्य पर सत्य, अंधकार पर प्रकाश, निराशा पर आशा और अधर्म पर धर्म की विजय का यह उत्सव भारतीय जनमानस में सदियों से नई ऊर्जा, नया विश्वास और नया संकल्प भरता आया है। दशहरे की सांस्कृतिक चेतना का सबसे प्रभावशाली आधार भगवान श्रीराम की रावण पर विजय है। रामायण का यह प्रसंग केवल एक ऐतिहासिक अथवा पौराणिक युद्ध की परिणति नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों और अहंकार के बीच संघर्ष का शाश्वत आख्यान है। श्रीराम मर्यादा, कर्णा, सत्य, कर्तव्य और धर्मनिष्ठा के प्रतीक हैं, जबकि रावण ज्ञान, सामर्थ्य और वैभव से संपन्न होने के बावजूद अहंकार, अनियंत्रित इच्छाओं और अनैतिक आचरण का प्रतीक बन जाता है। रावण का व्यक्तित्व इस सत्य को उजागर करता है कि ज्ञान यदि विवेक से, शक्ति यदि मर्यादा से और समृद्धि यदि नैतिकता से विमुख हो जाए, तो मनुष्य के पतन का कारण बन जाती है। श्रीराम की विजय इसलिए महत्वपूर्ण है कि उन्होंने प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अपने आदर्शों का परिचयग नहीं किया। दशहरा हमें सिखाता है कि परिस्थितियां कितनी ही कठिन क्यों न हों, सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति अंततः समाज की आस्था और इतिहास की प्रेरणा बनता है।

भारतीय संस्कृति में दशहरे का संबंध केवल राम की विजय से नहीं, बल्कि मां दुर्गा की महिषासुर पर विजय से भी जुड़ा है। नवरात्र के नौ दिनों में शक्ति की आराधना और दसवें दिन विजयादशमी का उत्सव इस बात का प्रतीक है कि साधना के बाद सिद्धि, संघर्ष के बाद सफलता और आत्मबल के जागरण के बाद विजय का मार्ग प्रशस्त होता है। मां दुर्गा की उपासना हमें यह संदेश देती है कि जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए शक्ति और संवेदना, साहस और विवेक तथा पराक्रम और करुणा का समन्वय आवश्यक है। भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में शक्ति का अर्थ केवल बाहुबल अथवा प्रभुत्व नहीं है, बल्कि आत्मबल, इच्छाशक्ति, धैर्य, आत्मसंयम और अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की नैतिक क्षमता भी है। इसीलिए दशहरा शक्ति की साधना के साथ-साथ उस शक्ति के सदुपयोग का भी पर्व है। दशहरा पर्व का आध्यात्मिक पक्ष अत्यंत गहरा है। बाहरी रावण का दहन तभी सार्थक है, जब मनुष्य अपने भीतर बैठे रावण को पहचानने और परास्त करने का साहस जुटाए। काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा और घेरी जैसी प्रवृत्तियां मनुष्य के व्यक्तित्व को भीतर से दुर्बल बनाती हैं। रावण के दस सिरों को इन दस विकारों के प्रतीक के रूप में भी देखा जा सकता है। प्रतिवर्ष रावण के पुतले जलते हैं, आतिशबाजी होती है और उत्सव संपन्न हो जाता है, लेकिन यदि हमारे भीतर ईर्ष्या, छल, स्वार्थ, द्वेष और अहंकार जीवित रहें, तो विजयादशमी का मूल उद्देश्य अधूरा रह जाता है। सच्चा दशहरा वह है,



जब हम किसी के प्रति अपने मन में पल रहे द्वेष को समाप्त करें, अपने व्यवहार से छल को निकालें, अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों को स्वीकारें और अपनी सफलता में दूसरों के योगदान को भी सम्मान दें। आत्मविजय ही सभी विजयों का आधार है। भारतीय संस्कृति उत्सव को साधना और साधना को जीवन की श्रेष्ठता से जोड़ती है। विजयादशमी इसी परंपरा का जीवंत उदाहरण है। इस दिन शस्त्रपूजा की जाती है, नए कार्यों का शुभारंभ होता है और विजय की कामना के साथ जीवन में आगे बढ़ने का संकल्प लिया जाता है। शस्त्रपूजा का वास्तविक अर्थ केवल अस्त्रों की आराधना नहीं, बल्कि शक्ति के प्रति श्रद्धा और उसके उत्तरदायी उपयोग का संकल्प है। आज के संदर्भ में हमारे शस्त्र ज्ञान, विवेक, शिक्षा, विज्ञान, श्रम, नैतिकता और सत्यनिष्ठा भी हैं। यदि इन शक्तियों का उपयोग मानवता के कल्याण के लिए किया जाए, तो वे राष्ट्रनिर्माण के प्रभावशाली साधन बन सकती हैं। दशहरा हमें अकर्मण्यता से कर्मशीलता, निराशा से आशा और निष्क्रियता से सृजनशीलता की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है। यह दिन अपने अधूरे संकल्पों को पूरा करने, नई संभावनाओं के द्वार खोलने और जीवन को श्रेष्ठ दिशा देने का अवसर है।

दशहरे का एक महत्वपूर्ण पक्ष प्रकृति, कृषि और लोकजीवन से उसका संबंध भी है। भारतीय समाज में यह पर्व फसल, समृद्धि, ऋतु-परिवर्तन और सामुदायिक उल्लास की परंपराओं से जुड़ा रहा है। शमी वृक्ष की पूजा, उसके पत्तों का आदान-प्रदान और नए कार्यों का शुभारंभ प्रकृति के प्रति श्रद्धा तथा मंगलकामना की भावना को व्यक्त करते हैं। कृषि प्रधान भारत में फसल की समृद्धि केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि धरती, किसान और प्रकृति के परस्पर सहयोग का उत्सव भी है। यह परंपरा हमें याद दिलाती है कि मनुष्य की प्रगति प्रकृति से अलग होकर संभव नहीं है। जिस संस्कृति ने वृक्षों, नदियों, पर्वतों और धरती में पवित्रता का अनुभव किया, उसकी उत्सवधर्मिता में पर्यावरण संरक्षण और सह-अस्तित्व की प्रेरणा भी अंतर्निहित है। आज जब पर्यावरणीय संकट मानवता के सामने गंभीर चुनौती बन रहा है, तब दशहरा हमें प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पुनः समझने का अवसर देता है। विजयादशमी भारतीय संस्कृति की समन्वयकारी चेतना का भी उत्सव है। देश के अलग-अलग क्षेत्रों में इसे विविध रूपों में मनाया जाता है।

कहीं रामलीला और रावण-दहन होता है, कहीं दुर्गापूजा के बाद मां की विदाई, कहीं शस्त्रपूजा तो कहीं लोकपरंपराओं के माध्यम से विजय का उल्लास व्यक्त किया जाता है। इन विविधताओं के पीछे एक साझा सांस्कृतिक सूत्र है-सत्य के प्रति आस्था, धर्म के प्रति निष्ठा, शक्ति के प्रति सम्मान और जीवन में मंगल की कामना। आज दशहरे के संदेश को अपने सामाजिक और राष्ट्रीय जीवन में उतारना पहले से अधिक आवश्यक है। भ्रष्टाचार, हिंसा, सामाजिक विद्वेष, अनैतिक प्रतिस्पर्धा, सार्वजनिक जीवन में कर्तव्यनिष्ठ रहें, शिक्षा और चिकित्सा को मानवीय संवेदना से जोड़ें तथा समाज में प्रेम और सद्भाव को बढ़ावा दें, तो यही दशहरे की वास्तविक साधना होगी। राष्ट्र की शक्ति केवल उसकी आर्थिक समृद्धि, सैन्य क्षमता अथवा तकनीकी उपलब्धियों में नहीं, बल्कि उसके नागरिकों के चरित्र, नैतिकता, अनुशासन और परस्पर विश्वास में भी निहित होती है। दशहरा अंततः बाहरी विजय से अधिक आंतरिक जागरण का पर्व है। यह हमें अपने भीतर प्रकाश का दीप जलाने, निराशाओं के बीच आशा खोजने, कठिनाइयों में साहस बनाए रखने और जीवन को नवसृजन की दिशा देने का संदेश देता है। आइए, इस विजयादशमी पर हम केवल रावण का पुतला जलाने तक सीमित न रहें, बल्कि अपने भीतर के अहंकार, स्वार्थ, असत्य और दुर्बलताओं को समाप्त करने का संकल्प लें। सत्य को अपना आधार, विवेक को अपना मार्गदर्शक, करुणा को अपना स्वभाव और कर्म को अपनी साधना बनाएं। यही भारतीय संस्कृति की आध्यात्मिक विरासत का सम्मान है, यही उत्सव की सार्थकता है और यही वह विजय है, जो व्यक्ति के जीवन को प्रकाशित करते हुए परिवार, समाज और राष्ट्र में नई चेतना का संचार कर सकती है। क्योंकि सच्चा दशहरा तभी है, जब रावण का दहन मैदान में ही नहीं, मन में भी हो; विजय का उत्सव केवल आतिशबाजी में नहीं, आचरण में दिखाई दे; और प्रकाश केवल दीपों में नहीं, हमारे विचारों, संस्कारों तथा कर्मों में भी प्रकट हो।

विचार

बहुजन हिताय का हो

वैश्विक आर्थिक चिंतन

सुरेश सेठ

अब चाहे दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति अमेरिका हो या रूस और चीन, सभी

का लक्ष्य प्राकृतिक साधन-संपन्न छोटे देशों के संसाधनों का अनैतिक दोहन करना है। छीना-झपटी करके, युद्ध छेड़कर वे उन्हें अपने देश के लिए हथिया लेना चाहते हैं। चाहे ईरान के कच्चे तेल से लेकर संवर्धित यूरैनियम तक के भंडार हों या फिर यूक्रेन के रेयर अर्थ मिनरल्स, अमेरिका हो या रूस, वे सैन्य बल के साथ इन खनिज पदार्थों को अपना बना लेना चाहते हैं। लेकिन तीसरी दुनिया के देशों की भी विकास पथ पर अग्रसर होने का मौका मिलना चाहिए। इस दर्शन पर कोई शक्तिशाली देश विश्वास नहीं करता। पिछले दिनों दिल्ली में पहली बार आयोजित ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम के तीन दिवसीय चिंतन-सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आर्थिक चिंतन से प्रगतिशील दुनिया के लिए नए द्वार खोले हैं। वसुधैव कुटुम्बकम् २ की बात हम हमेशा कहते रहे हैं, लेकिन विकसित देशों की आपसी स्पर्धा और आपाधापी के बीच वे युद्ध, विस्तार और तबाही के आयुधों के साथ दुनिया के संसाधनों पर कब्जा करने में जुटे हैं। ऐसे में भारत और मोदी आर्थिक चिंतन का एक नया पक्ष लेकर इस सम्मेलन में सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि भारत जैसे आध्यात्मिक चिंतन वाले देशों ने हमेशा पूरी दुनिया के साथ कदमताल बनाते हुए आगे बढ़ने के प्रयास किए हैं। किसी का निवाला छीनकर, किसी को धक्का देकर नीचे गिराकर आगे नहीं बढ़ना है। एक ओर ट्रंप शांति के नोबेल पुरस्कार पर दावेदारी करते रहे हैं, वहीं दूसरी ओर ऊर्जा के बाजार में एकाधिपत्य जमाने के लिए कमजोर देशों के साथ टैरिफ वॉर छेड़ते हैं। भारत को भी धमकी है कि रूस से कच्चा तेल और गैस खरीदने पर सौ प्रतिशत टैरिफ लगा देंगे। ये देश खाड़ी देशों से आने वाले ऊर्जा भंडार को रोकने के लिए होम्सुंज के रास्ते में बैठे हैं और भारी शुल्क उगाहने की धमकियों के साथ नाकाबंदी करने में लगे हैं। लेकिन इस सम्मेलन में आर्थिक विकास के लिए सही दिशा की तलाश की जा रही है। प्रयास है कि आर्थिक अनिश्चितताओं को कम करने के लिए भरपूर प्रयास कैसे किए जाएँ। भारत की आवाज है कि यह सबके साथ चलकर होगा, एक-दूसरे को धक्का देकर नहीं। धनी देश अगर अपने टैरिफ लगाकर दूसरे देशों की अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ देंगे, तो वे भला आगे कैसे जाएंगे? इसलिए मोदी ने भारत के आर्थिक तंत्र के लक्ष्य की बात की है कि ‘बहुजन हिताय’, अर्थात् २ सबका हित हो।

बहरहाल, महाशक्तियों की तनातनी में दुनिया के शेयर बाजार ध्वस्त हो रहे हैं, जबकि भारत सात प्रतिशत आर्थिक विकास दर की राह पर है। इसकी पुष्टि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी कर दी है। मोदी ने कहा कि हम इस असधारण वातावरण में, अनिश्चितता आपूर्ति के माहौल में अपनी आर्थिक गति इसीलिए बना सके हैं, क्योंकि हमने सबके साथ चलने का फैसला किया है, किसी को गिराकर अपनी उन्नति का कार्य नहीं किया। इसी तरह मोदी ने कहा कि कोविड की महामारी आई, तो हमने सौ देशों को कोविड के टीके बांटे और कोविड की तीसरी लहर की तबाही को टाल दिया। यह हमारा व्यावसायिक दृष्टिकोण नहीं, मानवीय दृष्टिकोण था। हम अगर विश्व को कुटुंब की तरह लेंगे, तो इस कुटुंब में हर परिवारजन दूसरे के हितों की रक्षा करेगा। मोदी का यह कहना बिस्कुल सही है कि हम डिजिटल तकनीक, मशीन सप्लाई, आर्थिक सुधारों और वैश्विक चुनौतियों से बखूबी निपट रहे हैं। हम सब मिलकर चलें, आर्थिक कोविड के टीके बांटे और कोविड का नया सोल बनगो। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में विचार कीजिए कि ज्ञान, धन और शक्ति का महत्व किस बात में है? किस उद्देश्य के लिए उसका इस्तेमाल किया जा रहा है? भले ही इन दिनों वैश्विक परिस्थितियां साथ नहीं दे रहीं, तो भी भारत प्रगति के पथ पर बढ़ा जा रहा है। एक तरफ भू-राजनीतिक तनाव है, सप्लाई चेन में बाधा है, रणनीतिक संसाधनों को लेकर बढ़ती प्रतिस्पर्धा है और कुछ देश वैश्विक अस्थिरता का कारण बन रहे हैं। लेकिन भारत इससे अलग अपनी शक्तियों का पूर्ण मूल्यांकन करते हुए किसी से न उलझकर शांति, अहिंसा और सहकारिता के मार्ग पर चल रहा है। इसलिए आज भी उसकी आर्थिक विकास दर दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है। आर्थिक चिंतन का यह सम्मेलन सन 1981 से आयोजित किया जा रहा है। भारत में यह पहली बार हुआ है। सम्मेलन में मोदी बोले, इस सहयोग मार्ग पर ही चलते हुए हमने सात प्रतिशत आर्थिक वृद्धि दर्ज की और अपने विदेशी मुद्रा भंडार को समृद्ध किया। हमारा चालू खाते का घाटा भी काफी कम हो गया। इसमें कुछ भी गलत नहीं है, क्योंकि जिस मार्ग पर भारत चला है, उसमें विविधीकरण भी है और हमारे निर्यात भी बढ़ रहे हैं। अर्थात् २ सहयोग से तरक्की है और नकारात्मक प्रतिस्पर्धा से तबाही है।

एक नजर

महानवमी पर रुईधासा महाकाल मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब, मां सिद्धिदात्री के जयकारों से गूंजा मंदिर परिसर

किशनगंज। शारदीय नवरात्र की महानवमी के अवसर पर सोमवार को शहर के रईधासा स्थित महाकाल मंदिर में मां दुर्गा के नौवें स्वरूप मां सिद्धिदात्री की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। मंदिर परिसर वैदिक मंत्रोच्चार, घंटियों की गूंज और माता के जयकारों से भक्तिमय बना रहा। मां के दर्शन और पूजन के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया, जो दिनभर जारी रहा। महानवमी पर हवन को लेकर भी श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। महाकाल मंदिर के पुरोहित गुरु साकेत के सानिध्य में धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। श्रद्धालुओं ने मां सिद्धिदात्री के समक्ष माथा टेककर परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। नवरात्र के अंतिम दिन मंदिर में भक्तिमय माहौल बना रहा। किशनगंज शहर के अलावा आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए पहुंचे। पुरोहित गुरु साकेत ने बताया कि नवरात्र की महानवमी मां सिद्धिदात्री को समर्पित है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां सिद्धिदात्री की आराधना से भक्तों को सिद्धि, ज्ञान और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। महानवमी पर हवन, कन्या पूजन और माता को विशेष भोग अर्पित करने की परंपरा है। श्रद्धालु कन्याओं को देवी का स्वरूप मानकर उनकी पूजा करते हैं और भोजन करकर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। उन्होंने बताया कि मां सिद्धिदात्री को हलवा, पुड़ी और काले चने का भोग अर्पित करने की परंपरा है। मान्यता है कि सच्चे मन से मां की आराधना करने वाले भक्तों पर माता की कृपा बनी रहती है। रईधासा स्थित महाकाल मंदिर में मां दुर्गा की पूजा-अर्चना के साथ महाकाल बाबा की भी नियमित आराधना की जाती है। संध्या आरती के दौरान श्रद्धालु एकत्र होकर भक्ति भाव से पूजा करते हैं। महानवमी के अवसर पर मंदिर में विशेष धार्मिक उत्साह देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा से समाज में शांति, सद्भाव और सभी के कल्याण की प्रार्थना की।

नरपतगंज हाई स्कूल मैदान में 21 अक्टूबर की शाम 50 फीट रावण का रिमोट से होगा दहन

अररिया। जिले के नरपतगंज हाई स्कूल मैदान में विजयदशमी पर रावण दहन कार्यक्रम को बृहद और सफल बनाने को ले युवा संघ के सदस्य तत्पर दिख रहे हैं। युवा एकता के बैनर तले हो रहे इस आयोजन के अध्यक्ष विवेक भागत की अध्यक्षता में सैकड़ों की संख्या में युवाओं ने सोमवार के दिन कार्यक्रम स्थल पर मुआयना करते हुए विधि व्यवस्था खासकर महिलाओं के बैठने कि व्यवस्था, कार्यक्रम स्थल के एंट्री तथा एमिजट प्लाईटों का बैरिकेडिंग के साथ-साथ आतिशबाजी के चिंगारी से भगदड़ना मचे इसको लेकर बैरिकेडिंग तथा चलंत शौचालय एवं पानी के पीने की व्यवस्था को अंतिम रूप देने के लिए सभी तत्पर दिखे। युवा एकता के सदस्यों ने मनचले तथा कार्यक्रम में व्यवधान उत्पन्न करने वालों पर निगारानी रखने के लिए आठ दर्जन वॉलंटियर तथा संगठन के लोगों को दायित्व सौंपा है।वही भक्ति कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को विशेष कर स्टेज से दक्षिण बैठने की व्यवस्था तथा पुरुषों के लिए स्टैंडियम के स्टेयर्स पर व्यवस्था की गई है। जबकि कार्यक्रम स्थल के दोनों द्वार से को वाहनों कि एंट्री निषेध रहेगी। बुधवार शाम रावण दहन का कार्यक्रम का आयोजन होगा,जिसमें क्षेत्र के गणमान्य लोगों सहित प्रखंड प्रमुख मनोज यादव की मौजूदगी में रावण दहन का कार्यक्रम संपन्न होगा। उल्लेखनीय हो कि विगत दस वर्षों से लगातार रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन युवा संघ नरपतगंज की ओर से किया जाता रहा है, जिसमें क्षेत्र के सभी युवा बद्ध्चर कर हिस्सा लेते हैं तथा कार्यक्रम को सफल और भव्य बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। युवा एकता के अध्यक्ष विवेक भागत ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दीप प्रचलन के बाद कार्यकर्ताओं को अतिथियों तथा आगंतुकों से सम्मानित किया जाएगा। जिसके बाद राम जी को झांकी निकाली जाएगी तथा भक्तों की भीड़ को कंट्रोल करने के लिए भक्ति जागरण का कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया है, जिससे हर्षोल्लास का माहौल बना रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में युवा एकता के अध्यक्ष विवेक भागत,कोषाध्यक्ष प्रदीप पासवान,बिहारी बाबू, किट्टु मंडल,धीरज मंडल, मुन्ना, अमोद मंडल,राजेश सिंह, रोशन मलकार,दीपक पोद्दार आदि अहम भूमिका निभा रहे है।

यातायात डीएसपी ने जारी की ट्रैफिक एडवाइजरी



अररिया। दुर्गा पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ के मद्देनजर शहर में सुचारू यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए अररिया जिला प्रशासन ने यातायात पुलिस ने विशेष ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है।18 से 21 अक्टूबर तक शहर के कई प्रमुख मार्गों पर वाहनों के परिचालन में बदलाव रहेगा। इस दौरान ऑटो, टोटो और व्यावसायिक वाहनों को निर्धारित वैकल्पिक मार्गों से गुजरना होगा। यातायात पुलिस उपाधीक्षक तरुण कुमार पाण्डेय ने इसकी जानकारी दी। जारी एडवाइजरी के अनुसार, अररिया बस स्टैंड और रानीगंज की ओर से चांदनी चौक जाने वाले सभी ऑटो, टोटो और व्यावसायिक वाहनों को एडीबी चौक से डायवर्ट किया जाएगा।यहां से वाहन दाहिनी ओर मुड़कर नवरतन चौक होते हुए घोड़ा स्टैंड की तरफ जा सकेंगे। वहीं, बाईं ओर मुड़ने पर आश्रम चौक जाने का रास्ता भी उपलब्ध रहेगा। प्रशासन ने वाहन चालकों से निर्धारित रूट का पालन करने की अपील की है, ताकि पूजा के दौरान मुख्य मार्गों पर जाम की स्थिति से बचा जा सके। जीरो माइल की ओर से आने वाले सभी वाहनों को सदर अस्पताल से पहले मीर गेट पर ही रोक दिया जाएगा। यात्रियों को मीर गेट पर ही उतरने और सवारी पकड़ने की व्यवस्था करनी होगी।इसके साथ ही मीर गेट के अंदर अस्थायी वाहन पार्किंग की व्यवस्था की गई है। इससे शहर के भीड़भाड़ वाले हिस्सों में वाहनों की आवाजाही नियंत्रित रखने में मदद मिलेगी। ट्रैफिक एडवाइजरी के मुताबिक, गोड़ी चौक से काली मंदिर होते हुए चांदनी चौक की ओर जाने वाले वाहनों को काली मंदिर से पहले ही रोक दिया जाएगा।काली मंदिर से चांदनी चौक तक सभी प्रकार के वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। ऐसे में इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों को पहले से वैकल्पिक रास्तों की जानकारी रखने की सलाह दी गई है। यातायात पुलिस ने ऑटो, टोटो और सार्वजनिक परिवहन के चालकों से नियमों का पालन करने और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों का सहयोग करने की अपील की है।साथ ही आम लोगों से एम्बुलेंस समेत अन्य आपातकालीन वाहनों को प्राथमिकता देने का अनुरोध किया गया है।वहीं सभी व्यावसायिक वाहन चालकों को नो-एंट्री नियमों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया गया है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने की देवी दुर्गा की पूजा-अर्चना, राज्य की सुख-समृद्धि की कामना



पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को महानवमी के अवसर पर पटना के बांस घाट स्थित मां काली मंदिर और डकबंगला रोड स्थित श्री दुर्गा पूजा समिति के पंडाल में मां दुर्गा के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इस दौरान

उन्होंने राज्य की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। साथ ही समस्त बिहारवासियों को दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मां दुर्गा का आशीर्वाद सभी पर बना रहे। देश और बिहार विकास के पथ पर निरंतर आगे बढ़ें

जमीन विवाद की जांच करने पहुंची पुलिस से दुर्व्यवहार, दो गिरफ्तार

सीवान। गोरेयाकोठी थाना क्षेत्र के आज्ञा गांव के मनफोड़ा टोला में जमीन विवाद की जांच करने पहुंची पुलिस टीम के साथ दुर्व्यवहार, गाली-गलौज और सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मुन्द्रिका महतो, पिता स्वर्गीय यमुना महतो, और हरेश महतो, पिता स्वर्गीय बाबूलाल महतो, के रूप में हुई है। दोनों आज्ञा गांव के मनफोड़ा टोला के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार, ब्रेथ एनालाइजर मशीन से जांच में दोनों के शराब पीने की पुष्टि हुई है। मामले में 14 नामजद और 15 से 20 अज्ञात महिला-पुरुषों के खिलाफ प्रार्थमिकी दर्ज की गयी है।

पुलिस के अनुसार, 18 अक्टूबर को गोरेयाकोठी थाना को जमीन विवाद से संबंधित एक लिखित आवेदन मिला था। आवेदन की जांच और सत्यापन के लिए पुलिस टीम आज्ञा गांव पहुंची थी। वहां आवेदक और दूसरे पक्ष से विवादित जमीन के संबंध में पृष्ठताछ की जा रही थी। इसी दौरान कुछ लोगों ने आवेदक के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाते हुए विवादित जमीन से संबंधित कागजात थाना और अंचलाधिकारी

के समक्ष प्रस्तुत करने को कहा।

आरोप है कि इसके बाद संबंधित लोगों ने पुलिसकर्मियों के साथ भी गाली-गलौज और दुर्व्यवहार करना शुरू कर दिया। पुलिस के मुताबिक, इस दौरान 14 नामजद और 15 से 20 अज्ञात महिला-पुरुषों ने पुलिस बल को धमकी दी तथा बड़ी संख्या में भीड़ जुटाकर सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न की। आरोपितों ने पुलिस वाहन को भी रोक दिया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डायल-112 और गोरेयाकोठी थानाध्यक्ष को सूचना दी गयी। सूचना मिलने पर डायल-112 की टीम और थानाध्यक्ष अतिरिक्त पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए लोगों को समझाया और भीड़ को हटाया। घटनास्थल से हिरासत में लिए गए मुन्द्रिका महतो और हरेश महतो की थाने में ब्रेथ एनालाइजर मशीन से जांच की गयी, जिसमें दोनों के शराब पीने की पुष्टि हुई। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, मुन्द्रिका महतो के खिलाफ गोरेयाकोठी थाना कांड संख्या 21/2020 में भारतीय दंड विधान की विभिन्न धाराओं और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज है।

किशनगंज में 10 लाख की ब्राउन शुगर के साथ तस्कर गिरफ्तार, एनटीएफ की कार्रवाई

किशनगंज,एजेंसी। जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एनटीएफ किशनगंज और बहादुरगंज थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक कथित मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 51.43 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 10 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने एक मोबाइल फोन भी जब्त किया है। सोमवार को पुलिस की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान बहादुरगंज थाना क्षेत्र के अली हुसैन चौक, अफसाना रोड, वार्ड संख्या-8 निवासी मो. राजा खान, पिता नियाज खान के रूप में हुई है। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार के निर्देश पर मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस को सूचना मिली थी कि मो. राजा खान ब्राउन शुगर लेकर अपने घर की ओर आने वाला है।

सूचना के सत्यापन के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-1 खुशरू सिराज के नेतृत्व में एनटीएफ और बहादुरगंज थाना पुलिस की टीम ने छापेमारी की। इस दौरान आरोपी को उसके घर के पास स्थित गली से गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी के क्रम में उसके पास से ब्राउन शुगर और मोबाइल फोन बरामद हुआ। पुलिस के मुताबिक, पृष्ठताछ में आरोपी ने मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री में सलिसता की बात बताई है। अब पुलिस इस कारोबार से

उन्होंने राज्य की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। साथ ही समस्त बिहारवासियों को दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मां दुर्गा का आशीर्वाद सभी पर बना रहे। देश और बिहार विकास के पथ पर निरंतर आगे बढ़ें

और समृद्धि की ओर अग्रसर हों। इस अवसर पर पूर्व मंत्री संजीव प्रसाद टोनी, जिलाधिकारी कुंदन कुमार, वरिष्ठ अधिकारी, पूजा समिति के आयोजक, गणमान्य व्यक्ति और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

प्रशांत किशोर ने दस हजार पढ़े लिखे बेरोजगारों को प्राइवेट जॉब दिलाने का किया ऐलान, प्रत्याशी रजनीश रंजन के लिए मांगे वोट

अररिया। जन सुराज के संस्थापक एवं बांकीपुर के विधायक प्रशांत किशोर ने अररिया के एक निजी होटल में कोसी स्नातक क्षेत्र के मतदाताओं के साथ मीटिंग कर 25 वर्षों से राज कर रहे भाजपा के उम्मीदवार को हराने और जन सुराज के प्रत्याशी रजनीश रंजन की जीत सुनिश्चित करने के लिए वोट करने की अपील की। प्रशांत किशोर ने कहा कि 25 साल से भाजपा के लोग स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का चुनाव चोरी से जीतते रहे हैं। लेकिन इस बार मतदाता स्नातकों और शिक्षकों के अधिकार को लेकर वोट करेगा। उन्होंने सातवें वेतनमान को लागू करवाने के साथ जन सुराज की तकदीर नहीं बदल सकता। हैदराबाद या गुजरात से आया हुआ लोग बिहार और सीमांचल की तकदीर नहीं बदल सकते बल्कि सीमांचल के लोग ही सीमांचल की तकदीर बदल सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जितनी चिंता गुजरात को की है, उसका एक पैसा भी चिंता बिहार की नहीं है। वहीं चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ हो रहे प्रदर्शन को लेकर प्रशांत किशोर ने कहा कि जब देश की संवैधानिक संस्था ईमानदारी पूर्वक कार्य नहीं करेगी तो जनता सड़क पर आएगी ही। आज दिल्ली के जंतर मंतर पर प्रदर्शन हो रहा है कल पूरे देश



में यह प्रदर्शन हो सकता है। उन्होंने कहा कि आज केवल एसआईआर का मुद्दा नहीं है। 8 से 10 सालों में चुनाव आयोग को कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह लगा है।

एसआईआर के नाम पर मतदाताओं का नाम कटवाना,फॉर्म 6 और 7 में बदलाव,चुनाव प्रक्रिया को कटघरे में खड़ा करना,चुनाव की तिथि का निर्धारण,आचार संहिता लागू करने,प्रेक्षक की नियुक्ति,काउंटिंग में धांधली चुनाव आयोग को कटघरे में खड़ा करती है। उन्होंने कहा कि पहली बार एमएलसी का

सीवान में एसी-फ्रिज गैस की दुकान में भीषण आग, सिलेंडर विस्फोट से दहला इलाका

सीवान,एजेंसी। शहर के राजेंद्र पथ

स्थित कल्याण ज्वेल्स के समीप क्यूम मियां मार्केट में सोमवार की रात करीब 7:30 बजे एसी-फ्रिज के पार्ट्स और गैस बेचने वाली एक दुकान में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गयी। आग लगने की सूचना मिलते ही बिजली विभाग ने पूरे शहर की बिजली काट दी. दुकान में रखे गैस सिलेंडरों में लगातार विस्फोट होने से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गयी। विस्फोट की तेज आवाज से दशहरा मेले का आनंद ले रहे लोग भी दहशत में आ गये। स्थानीय लोगों के अनुसार, आग की चपेट में आकर मार्केट की करीब एक दर्जन दुकानें जलकर राख हो गयीं। हालांकि, नुकसान का आधिकारिक आकलन नहीं हो सका था। घटना की सूचना मिलते ही शहर के विभिन्न स्थानों पर तैनात अग्निशमन विभाग की गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया, लेकिन दुकान में रखे ज्वलनशील गैस के सिलेंडरों में विस्फोट होने के कारण आग बुझाने में काफी परेशानी हुई। बताया जाता है कि दुकान में एसी और फ्रिज में इस्तेमाल होने वाली गैस के करीब 70 सिलेंडर रखे हुए थे। इनमें से लगभग पांच सिलेंडर फट चुके थे। सिलेंडरों के विस्फोट से आग और अधिक भयावह हो गयी। आग लगने के बाद दुकान और मार्केट में मौजूद लोग बाहर निकल गये।

सिलेंडरों के विस्फोट की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के इलाके में दहशत फैल गयी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने सड़क के एक तरफ का आवागमन बंद कर दिया, ताकि अग्निशमन कर्मियों को

तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर रामनगर के नेपाली टोला स्थित एक दुकाननुमा कमरा में छापेमारी कर बच्चा को सकुशल बरामद किया। पुलिस ने मौके से मो. नेयाज अहमद और अफरीदा खातून को पकड़ा।

मामले में मिक्की जायसवाल और सुल्तान आलम को भी गिरफ्तार किया गया, जबकि अपहरण में इस्तेमाल मोटरसाइकिल नासीर अली के पास से बरामद की गई। पुलिस ने पांच आरोपितों को गिरफ्तार करने की जानकारी दी है। छापेमारी के दौरान कमरे की तलाशी में एक देशी रिर्वाल्वर और दो कारतूस भी मिला। इस संबंध में रामनगर थाना में शस्त्र अधिनियम के तहत एक अलग प्रार्थमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने अपहरण और फिरोती मांगने में इस्तेमाल किए गये मोबाइल फोन तथा बच्चा को अगवा करने में प्रयुक्त हीरो ग्लैमर मोटरसाइकिल भी बरामद की है। कार्रवाई में रामनगर और बगहा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, विभिन्न थाना के थानाध्यक्ष, अंचल निरीक्षकों तथा जिला आसूचना इकाई के पदाधिकारी और कर्मियों की टीम शामिल रही। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

रामनगर से अपहृत नौ साल का बच्चा सकुशल बरामद, फिरोती मांगने के आरोप में पांच गिरफ्तार

एक नजर

एशियाई पैरा खेल : रावन्नी वलासनैनी ने 1500 मीटर टी11 में जीता कांस्य पदक



नागोया,एजेंसी। भारत की पैरा एथलीट रावन्नी वलासनैनी ने एशियाई पैरा खेल 2026 में महिलाओं की 1500 मीटर टी11 स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया। जापान के आइची-नागोया में आयोजित प्रतियोगिता में रावन्नी ने पांच मिनट 41.85 सेकंड का समय निकालकर अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। शुरुआत में वह चौथे स्थान पर रही थीं, लेकिन हमवतन रक्षित राजू के अयोग्य घोषित होने के बाद उन्हें तीसरा स्थान मिला और कांस्य पदक उनके नाम हो गया। इस स्पर्धा में चीन की शानशान हे ने चार मिनट 41.19 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनकी हमवतन जेंगली हुआंग ने चार मिनट 55.54 सेकंड में दौड़ पूरी कर रजत पदक हासिल किया। भारत की दूसरी धाविका रक्षित राजू ने शुरुआत में पांच मिनट 31.45 सेकंड का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया था। हालांकि, बाद में उन्हें नियम टीआर 6.9 के तहत अयोग्य घोषित कर दिया गया। इसके बाद चौथे स्थान पर रही रावन्नी को कांस्य पदक प्रदान किया गया। टी11 वर्ग दृष्टिबाधित खिलाड़ियों के लिए निर्धारित है। इस वर्ग में शामिल एथलीटों को दौड़ के दौरान मार्गदर्शन के लिए गाइड धावक की सहायता लेनी पड़ सकती है। रावन्नी का यह पदक एशियाई पैरा खेलों में भारत के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ पोलियम पर जगह बनाने वाली रावन्नी ने भारतीय पैरा एथलेटिक्स के अभियान में एक और पदक जोड़ दिया।

वाराणसी के गौरव मौर्य स्कॉटलैंड में करेंगे

भारत का प्रतिनिधित्व, कॉमनवेल्थ कराटे

चैंपियनशिप में पदक पर नजर



वाराणसी। शहर के कराटे खिलाड़ी गौरव मौर्य स्कॉटलैंड के ग्लासगो में होने वाली 12वें कॉमनवेल्थ कराटे चैंपियनशिप- 2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। पांच से आठ नवंबर तक आयोजित होने वाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में गौरव की नजर देश के लिए पदक जीतने और अंतरराष्ट्रीय मंच पर तिरंगे का मान बढ़ाने पर होगी। गौरव मौर्य कराटे में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा साबित कर चुके हैं। उन्होंने वर्ष 2019 में चीन में आयोजित 18वें वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स में रजत पदक जीता था। इसके बाद वर्ष 2022 में नीदरलैंड में हुए 19वें वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसके अलावा वह ऑल इंडिया पुलिस गेम्स में भी स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। वर्ष 2018 में उन्होंने कराटे इंडिया (केएआई) अंडर-21 जूनियर नेशनल चैंपियनशिप में रजत पदक हासिल किया था। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के साथ गौरव ने खेल के प्रति समर्पण और नियमित अभ्यास के दम पर कराटे में अपनी अलग पहचान बनाई है। उनकी उपलब्धियां निरंतर मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। ग्लासगो में होने वाली चैंपियनशिप गौरव के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का एक और महत्वपूर्ण अवसर होगी। वह प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर देश के लिए पदक जीतने के इरादे से उतरेंगे। उनकी इस उपलब्धि से वाराणसी के खेल जगत में भी उत्साह है। गौरव मौर्य ने कहा, ‘मेरा लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का तिरंगा ऊंचा करना और देश के लिए पदक जीतना है।’ उन्होंने देशवासियों से शुभकामनाएं और सहयोग की अपील करते हुए कहा कि वह प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

केकेआर खिलाड़ियों ने किया बंगाल

की कांथा कला का सम्मान, महिला

सशक्तीकरण को दिया बढ़ावा

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने बंगाल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने और महिला सशक्तीकरण के उद्देश्य से एसएचई कांथा के साथ साझेदारी की है। इस पहल के तहत कोलकाता स्थित भारतीय संग्रहालय में आयोजित विशेष दुर्गा पूजा आयोजन ‘देवी दुर्गा : श्रेड्स ऑफ डिविनिटी’ के माध्यम से पारंपरिक कांथा कढ़ाई और महिला कारीगरों के योगदान को प्रदर्शित किया गया। भारतीय संग्रहालय ने संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से पहली बार अपने परिसर में दुर्गा पूजा पंडाल स्थापित किया। 11 अक्टूबर को उद्घाटित इस आयोजन में बंगाल की दुर्गा पूजा परंपरा, कांथा कढ़ाई और संग्रहालय की सांस्कृतिक विरासत को एक मंच पर प्रस्तुत किया गया। केकेआर की विशेष प्रदर्शनी में कांथा कारीगरों के काम को जगह दी गई, जबकि एक अन्य दीर्घा में एसएचई कांथा की चार दशक की यात्रा को दर्शाया गया। 17 अक्टूबर को सप्तमी के अवसर पर केकेआर के खिलाड़ी राहुल त्रिपाठी और सौरभ दुबे पंडाल पहुंचे। उन्होंने कांथा कारीगरों और ‘साहसी रानियों’ से मुलाकात कर उनके काम और प्रयासों की सराहना की।

केकेआर की मुख्य विपणन अधिकारी बिंदा डे ने कहा कि बंगाल से गहरे जुड़ाव के कारण फ्रेंचाइजी की जिम्मेदारी क्रिकेट के मैदान तक सीमित नहीं है। इस पहल का उद्देश्य पारंपरिक कला को संरक्षित करने वाली महिलाओं को पहचान दिलाना और उनके लिए आर्थिक आत्मनिर्भरता के अवसर बढ़ाना है। कार्यक्रम में केकेआर के ‘साहसी रानी’ कार्यक्रम की भी प्रमुखता दी गई। यह पहल वंचित समुदायों की महिलाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण और आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने पर केंद्रित है। उद्घाटन समारोह में कलकत्ता फाउंडेशन से जुड़ी साहसी रानियों ने धनुची नृत्य के माध्यम से मां दुर्गा का स्वागत किया।

एशियाई पैरा खेल 2026: रिकू हुझा ने भाला फेंक एफ46 वर्ग में जीता स्वर्ण, अजीत सिंह को रजत

नागोया,एजेंसी। एशियाई पैरा खेल–2026 में भारतीय पैरा एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की भाला फेंक एफ46 स्पर्धा में स्वर्ण और रजत पदक अपने नाम किए। हरियाणा के रिकू हुझा ने 65.11 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण पदक जीता, जबकि उत्तर प्रदेश के अजीत सिंह यादव ने 65.02 मीटर के प्रदर्शन के साथ रजत पदक हासिल किया। दोनों भारतीय खिलाड़ियों के बीच महज नौ सेंटीमीटर का अंतर रहा। इंडोनेशिया के सक्त्योनो आर ने 55.30 मीटर के प्रदर्शन के साथ कांस्य पदक जीता। रिकू और अजीत ने स्पर्धा में पहले दो स्थान हासिल कर भारत को दोहरी सफलता दिलाई। एफ46 वर्ग में ऐसे खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं, जिनके एक या दोनों ऊपरी अंगों में अंग की कमी, मांसपेशियों की शक्ति में कमी या अंगों की गति-सीमा से जुड़ी अक्षमता होती है।

हरियाणा के रोहतक के रहने वाले रिकू हुझा भारतीय पैरा एथलेटिक्स के प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल हैं। उनका जन्म एक जनवरी, 1999 को हुआ था। तीन साल की उम्र में धान की बुवाई करने वाली मशीन में बायां हाथ फंसने के कारण उन्हें अपना हाथ गंवाना पड़ा था। हालांकि, इस मुश्किल के बावजूद उन्होंने खेलों के प्रति अपना जुनून बनाए रखा और आगे चलकर भाला फेंक में अपनी पहचान बनाई। रिकू को भारतीय पैरा एथलीट अमित कुमार सरोहा ने भाला फेंक में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने 2015 में युवा एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता और 2016 में स्वट्जरलैंड में आयोजित विश्व अंडर–20 पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रजत पदक हासिल किया। रियो पैरालंपिक 2016 में वह



पांचवें स्थान पर रहे थे। उस समय वह महज 18 वर्ष के थे और पैरालंपिक में हिस्सा लेने वाले भारत के सबसे कम उम्र के पैरा एथलीटों में शामिल थे। रिकू ने विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023 में रजत और 2024 में कांस्य पदक जीता। वर्ष 2025 की विश्व चैंपियनशिप में उन्होंने स्वर्ण पदक हासिल किया। पेरिस पैरालंपिक 2024 में वह चौथे स्थान पर रहे थे। इसके अलावा उन्होंने 2026 में दुबई ग्रां प्री, नई दिल्ली ग्रां प्री और इंडियन ओपन में भी स्वर्ण

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम की चयन समिति से अजीत अग्रकर की विदाई, प्रज्ञान ओझा बने मुख्य चयनकर्ता

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पुरुष क्रिकेट टीम की चयन समिति में बदलाव करते हुए पूर्व भारतीय स्पिनर प्रज्ञान ओझा को समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कोच रमेश पोवार को भी चयन समिति में शामिल किया गया है। प्रज्ञान ओझा दक्षिण क्षेत्र के प्रतिनिधि के तौर पर चयन समिति में शामिल थे। समिति के सदस्यों में सबसे अधिक टेस्ट मैच खेलने के आधार पर उन्हें अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। रमेश पोवार ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में भारत के लिए दो टेस्ट और 31 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। सन्यास के बाद उन्होंने कोच के रूप में कई अहम जिम्मेदारियां निभाईं। वह भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच रहने के अलावा मुंबई और गुजरात की टीमों के मुख्य कोच भी रह चुके हैं। उन्होंने बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में गेंदबाजी कोच की भूमिका भी निभाई है। भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच के रूप में पोवार के कार्यकाल में टीम ने एशिया कप का खिताब जीता था और

राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक हासिल किया था। अजीत अग्रकर ने जुलाई 2023 में मुख्य चयनकर्ता का पद संभाला था। उनके कार्यकाल में भारतीय टीम ने कई बड़ी सफलताएं हासिल कीं। भारत ने 2023 और 2025 में एशिया कप का खिताब जीता। टीम 2023 एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल तक पहुंची और 2024 तथा 2026 में टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। इसके अलावा भारतीय टीम ने 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी भी जीती। अग्रकर की अगुवाई वाली चयन समिति ने पिछले साल शुभमन गिल को टेस्ट और एकदिवसीय टीमों का कप्तान नियुक्त करने में भी अहम भूमिका निभाई थी। इसी साल चयन समिति ने श्रेयस अय्यर को भारतीय टी–20 अंतरराष्ट्रीय टीम का कप्तान नियुक्त किया था। उन्होंने सूर्यकुमार यादव की जगह ली थी, जिनकी कप्तानी में भारत ने मार्च में टी–20 विश्व कप का खिताब जीता था। बीसीसीआई की पुरुष चयन समिति में अब पांच सदस्य होंगे। प्रज्ञान ओझा अध्यक्ष होंगे, जबकि शिव सुंदर दास, आरपी सिंह, अजय रात्रा और रमेश पोवार समिति के अन्य सदस्य होंगे।

रणजी ट्रॉफी: चिन्मय सुतार ने नाबाद 400 रन बनाकर रचा इतिहास, ऐसा करने वाले दूसरे भारतीय बने

सोविमा (नागालैंड)। मिजोरम के बल्लेबाज चिन्मय सुतार ने सोमवार को रणजी ट्रॉफी प्लेट लीग मुकाबले में इतिहास रच दिया। उन्होंने नागलैंड के खिलाफ नाबाद 400 रन बनाकर प्रथम श्रेणी क्रिकेट में चौहरा शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बनने का गौरव हासिल किया। 29 वर्षीय सुतार ने पृथ्वी शॉ के 379 रन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए रणजी ट्रॉफी के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर अपने नाम किया। सुतार हालांकि रणजी ट्रॉफी में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड तोड़ने से चूक गए। यह रिकॉर्ड महाराष्ट्र के भाऊसाहेब निम्बालकर के नाम है, जिन्होंने 1948–49 सत्र में काठियावाड़ के खिलाफ नाबाद 443 रन बनाए थे। सुतार चाय के समय 392 रन पर नाबाद थे और उन्होंने पारी के 155वें ओवर में 400 रन का आंकड़ा छुआ। इसके बाद मिजोरम ने नौ विकेट पर 581 रन बनाकर अपनी पारी घोषित कर दी।

सुतार ने लालरैम्पुनिया छकछुआक के साथ दसवें विकेट के लिए नाबाद 190 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी की बदौलत मिजोरम 500 रन के पार पहुंचा। यह रणजी ट्रॉफी के इतिहास में आखिरी विकेट के लिए तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। इस मामले में रिकॉर्ड दिल्ली के अजय शर्मा और मर्निंदर सिंह के नाम है, जिन्होंने 1991–92 सत्र में मुंबई के खिलाफ 233 रन जोड़े थे। सुतार का यह

नागोया,एजेंसी। एशियाई पैरा खेल–2026 में भारतीय पैरा एथलीटों का शानदार प्रदर्शन जारी है। महिलाओं की 1500 मीटर टी12/टी13 स्पर्धा में भारत की सौम्या और राधा वेंकटेश ने स्वर्ण और रजत पदक जीतकर देश को दोहरी सफलता दिलाई। सौम्या ने अपने पदार्पण में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि अनुभवी धाविका राधा वेंकटेश दूसरे स्थान पर रहीं। कर्नाटक के चामराजनगर जिले की रहने वाली सौम्या ने अपने गाइड भरत कुमार के साथ दौड़ते हुए पांच मिनट 12.39 सेकंड का समय निकाला। उन्होंने 621 अंक हासिल कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। राधा वेंकटेश ने अपने गाइड गोविंद सोलंकी के साथ पांच मिनट 30.90 सेकंड में दौड़ पूरी की और 421 अंकों के साथ रजत पदक जीता। जापान की माना सासाकी ने 336 अंकों के साथ कांस्य पदक हासिल किया। उन्होंने 5 मिनट 12.15 सेकंड का समय निकाला, जो इस स्पर्धा में सौम्या के समय से भी बेहतर था। हालांकि, अंक आधारित वर्गीकरण में वह भारतीय खिलाड़ियों से पीछे रहीं।

सौम्या के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी खास है, क्योंकि उन्होंने एशियाई पैरा खेलों में अपने पदार्पण पर ही स्वर्ण पदक जीत लिया। दृष्टिबाधित खिलाड़ियों की टी12 श्रेणी में प्रतिस्पर्धा करने वाली सौम्या भारतीय एथलेटिक अकादमी में कोच रोशन अग्नि श्रीधर बच्चन के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेती हैं। इससे पहले भी वह अपनी प्रतिभा का परिचय दे चुकी हैं। सौम्या ने 2025 के एशियाई युवा पैरा खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। इसके अलावा उन्होंने 2026 में नई



प्रदर्शन घरेलू क्रिकेट में उनके हालिया अच्छे प्रदर्शन की कड़ी है। उन्होंने इस साल की शुरुआत में विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई का प्रतिनिधित्व किया था। जून में उन्होंने मुंबई टी20 लीग में एमएससी मराठा रॉयल्स को खिताब बचाने में मदद की और लगातार दो अर्धशतक लगाए। उन्होंने छह पारियों में करीब 120 के स्ट्राइक रेट से 212 रन बनाए थे।

2026–27 घरेलू सत्र शुरू होने से पहले सुतार ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) हासिल किया और मिजोरम की टीम से जुड़ गए। उन्होंने पिछले सप्ताह मणिपुर के खिलाफ सत्र के पहले मुकाबले में रणजी

ट्रॉफी पदार्पण किया था। उस मैच में उन्होंने पहली पारी में 35 और दूसरी पारी में 99 रन बनाए, लेकिन मिजोरम को तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा। मणिपुर के खिलाफ पहली पारी में 68 रन से पिछड़ने के बावजूद मिजोरम ने वापसी की थी और सुतार की दूसरी पारी की पारी ने इसमें अहम भूमिका निभाई थी। अब नागालैंड के खिलाफ नाबाद चौहरे शतक के साथ उन्होंने भारतीय घरेलू क्रिकेट में एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। वह प्रथम श्रेणी क्रिकेट की एक पारी में 400 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की विशिष्ट सूची में भाऊसाहेब निम्बालकर के साथ शामिल हो गए हैं।

एशियाई पैरा खेलों में पहले दिन ही भारत ने जीते 11 पदक, चार स्वर्ण के साथ तालिका में चौथे स्थान पर



नई दिल्ली। एशियाई पैरा खेलों के खेल स्पर्धाओं के पहले दिन भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार स्वर्ण, पांच रजत और दो कांस्य सहित कुल 11 पदक अपने नाम किए। पदक तालिका में भारत पहले दिन के खेल के बाद चौथे स्थान पर रहा। भारत के लिए दिन का पहला स्वर्ण पदक निशानेबाज मोना अग्रवाल ने महिलाओं की स्पर्धा में जीता। उन्होंने 250 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि उनकी साथी और पैरालंपिक चैंपियन अविन लेखरा ने 249.6 अंक के साथ रजत पदक अपने नाम किया।

इसके बाद जूडो में भारत को दो पदक मिले। कोकिला ने रजत पदक जीता, जबकि कपिल परमार ने कांस्य पदक के मुकाबले में जीत दर्ज कर देश की पदक संख्या में

इजाफा किया। एथलेटिक्स में भारतीय खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। निशाद कुमार ने लंबी कूद में स्वर्ण पदक जीतकर भारत को दिन का दूसरा स्वर्ण दिलाया। रिकू हुझा, सौम्या, अजीत सिंह, वी. रावन्नी और राधा वेंकटेश ने भी पदक जीते। एथलेटिक्स में भारत को कुल छह पदक मिले, जिनमें तीन स्वर्ण पदक शामिल रहे। तैराकी में रवि बुदिगिना ने पुरुषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल एस13 स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया। इस तरह निशानेबाजी, जूडो, एथलेटिक्स और तैराकी में भारतीय खिलाड़ियों ने पदक जीतकर देश को मजबूत शुरुआत दिलाई। पदक तालिका में चीन 15 स्वर्ण, 15 रजत और 14 कांस्य सहित कुल 44 पदकों के साथ शीर्ष पर है। उज्बेकिस्तान छह स्वर्ण, आठ रजत और छह कांस्य सहित 20 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर है। मेजबान जापान पांच स्वर्ण, दो रजत और 10 कांस्य सहित 17 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर है। भारत चार स्वर्ण, पांच रजत और दो कांस्य सहित कुल 11 पदकों के साथ चौथे स्थान पर है। कजाखस्तान तीन स्वर्ण, तीन रजत और छह कांस्य सहित 12 पदकों के साथ पांचवें स्थान पर है।

एशियाई पैरा खेल में भारत का शानदार प्रदर्शन, सौम्या ने स्वर्ण, राधा वेंकटेश ने जीता रजत



दिल्ली ग्रां प्री और इंडियन ओपन में भी स्वर्ण पदक हासिल किए। उनकी इस सफलता से भारतीय पैरा एथलेटिक्स में कर्नाटक की उभरती प्रतिभाओं को नई पहचान मिली है।

राधा वेंकटेश ने रजत पदक जीतकर अपने अंतरराष्ट्रीय अनुभव का परिचय दिया। कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले के बोम्मासमुद्र गांव की रहने वाली राधा इससे पहले भी एशियाई पैरा खेलों में कई पदक जीत चुकी हैं। उन्होंने 2018 में जकार्ता में आयोजित एशियाई पैरा खेलों में महिलाओं की

1500 मीटर स्पर्धा में स्वर्ण और कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा था। वह एक ही संस्करण में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी थीं। उनके प्रदर्शन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनकी उपलब्धि की सराहना की थी। राधा ने हांगझोक में आयोजित 2022 एशियाई पैरा खेलों में भी स्वर्ण पदक जीता था। हालांकि, उस संस्करण में कम प्रतिभागियों के कारण संबंधित स्पर्धा को गैर-पदक स्पर्धा के रूप में आयोजित किया गया था।

आईडब्ल्यूएल 2026–27 सत्र की शुरुआत 13 नवंबर से, आठ टीमें खिताब के लिए भिड़ेंगी

नई दिल्ली। भारतीय महिला फुटबॉल

की शीर्ष घरेलू प्रतियोगिता इंडियन विमेंस लीग (आईडब्ल्यूएल) के 2026–27 सत्र की शुरुआत 13 नवंबर से होगी। इस सत्र में आठ टीमें खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। मुकाबले कोलकाता, जमशेदपुर और बेंगलुरु में खेले जाएंगे। आगामी सत्र में पिछले साल की छह टीमें ईस्ट बंगाल एफसी, सेतु एफसी, किक्सटार्ट एफसी, नीता फुटबॉल अकादमी, गोकुलम केरल एफसी और गढ़वाल यूनाइटेड एफसी हिस्सा लेंगी। इनके अलावा आईडब्ल्यूएल–2 के 2025–26 सत्र में पहले और दूसरे स्थान पर रहने वाली हॉप्स एफसी और जुबा संघा एफसी को भी शीर्ष लीग में जगह मिली है।

गत चैंपियन ईस्ट बंगाल एफसी इस बार भी खिताब अपने पास बरकरार रखने के इरादे से उतरेगा। टीम ने 2025–26 सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए 13 मुकाबले जीते थे और उसे केवल एक मैच में हार का सामना करना पड़ा था। पिछले सत्र में व्यक्तिगत प्रदर्शन के लिहाज से भी कई खिलाड़ियों ने प्रभावित किया था। ईस्ट बंगाल की फाजिला इस्वापुट 20 गोल के साथ लीग की शीर्ष गोल स्कोरर रही थीं। वहीं, नीता फुटबॉल अकादमी की प्यारी क्षा और सेतु एफसी की लिंडा कोम ने भी अपने आक्रामक खेल से छाप छोड़ी थी। आईडब्ल्यूएल के नए सत्र की घोषणा ऐसे समय में हुई है, जब अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) और कैप्री स्पोर्ट्स लीग के व्यावसायिक विकास और विपणन अधिकारों को लेकर 15 साल की साझेदारी के तहत साथ काम कर



रहे हैं। इस साझेदारी में आईडब्ल्यूएल और आईडब्ल्यूएल–2 दोनों शामिल हैं। कैप्री स्पोर्ट्स में कॉन्टेक्ट स्पोर्ट्स के प्रमुख अर्चवू गुप्ता ने कहा कि 2026–27 सत्र कंपनी के लिए भारतीय महिला लीग के साथ नई शुरुआत का महत्वपूर्ण पड़ाव है। उन्होंने कहा कि लीग और देशभर से आने वाली प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में काफी संभावनाएं हैं। कंपनी का लक्ष्य महिला फुटबॉलरों के लिए मजबूत मंच तैयार करना, लीग की पहुंच बढ़ाना और ऐसा माहौल बनाना है, जिसमें क्लब और खिलाड़ी आगे बढ़ सकें। एआईएफएफ के उप महासचिव एम. सत्यनारायण ने कहा कि इंडियन विमेंस लीग देश में महिला फुटबॉल के विकास का एक प्रमुख आधार है। आठ टीमों के बीच होने वाली प्रतिस्पर्धा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देगी। उन्होंने कहा कि आईडब्ल्यूएल–2 भी घरेलू फुटबॉल ढांचे में कलबों और खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण रास्ता प्रदान करती है। महासंघ देशभर में महिला फुटबॉलरों के लिए अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

एक नजर

राष्ट्रपति पौडेल ने दशहरे पर काठमांडू के प्रमुख शक्तिपीठों में की पूजा- अर्चना



काठमांडू,एजेंसी। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने दशहरा के अवसर पर सोमवार को काठमांडू घाटी के विभिन्न शक्तिपीठों के दर्शन और पूजा-अर्चना कर टीका-प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति पौडेल ने प्रथम महिला सखिता पौडेल के साथ घाटी के प्रमुख शक्तिपीठों में शामिल नक्साल भगवती मंदिर, गुह्येश्वरी मंदिर, मैतीदेवी मंदिर, कालिकास्थान, भद्रकाली मंदिर, नरदेवी मंदिर, रक्तकाली मंदिर, इन्द्रायणी मंदिर और शोभा भगवती मंदिर में पूजा-अर्चना की तथा टीका-प्रसाद ग्रहण किया। नवरात्र के महाष्टमी को शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा भवानी की विशेष आराधना का पर्व माना जाता है। इस अवसर पर श्रद्धालु देवी की पूजा-अर्चना, पाठ और दर्शन के लिए मंदिरों में पहुंचते हैं। दशहरे के दौरान काठमांडू सहित देशभर के शक्तिपीठों में पूजा-अर्चना करने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है।

खारकीव में पार्क पर ड्रोन हमला, तीन बच्चों समेत छह की मौत

कीव। यूक्रेन के उत्तर-पूर्वी खारकीव क्षेत्र के एक गांव में सोमवार को पार्क पर हुए ड्रोन हमले में तीन बच्चों समेत छह लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 अन्य घायल हो गए। क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह सिनीहुबोव ने यह जानकारी दी। यूक्रेनी अधिकारियों ने हमले के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराया है। सिनीहुबोव ने सोशल मीडिया मंच ‘टेलीग्राम’ पर बताया कि हमला खारकीव शहर के दक्षिण-पश्चिम में स्थित एक गांव में हुआ। उन्होंने शुरुआत में हमले में 15 लोगों के घायल होने की जानकारी दी थी। बाद में मृतकों की संख्या छह बताई, जिनमें तीन बच्चे शामिल हैं। यूक्रेन के गृह मंत्री इवान विहिव्स्की के अनुसार, ड्रोन ने उस पार्क को निशाना बनाया, जहां परिवार अपने बच्चों के साथ समय बिता रहे थे। हमले के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घायलों की स्थिति और उनकी उम्र को लेकर अधिकारियों ने विस्तृत जानकारी नहीं दी है।

हैती में गिरोहों के हमले के बाद अल सल्वाडोर के वायुसेना के चार जवान लापता

सैन साल्वाडोर/पोर्ट-औ-प्रिंस। हैती में अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल के साथ तैनात अल सल्वाडोर के वायुसेना के चार जवान सशस्त्र आपराधिक गिरोहों के हमले के बाद लापता हो गए हैं। अल सल्वाडोर के सशस्त्र बलों ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। जवानों की तलाश के लिए जमीन और हवाई मार्ग से कई प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन क्षेत्र में जारी भीषण संघर्ष के कारण अभियान में बाधा आ रही है। अल सल्वाडोर की सेना के मुताबिक, उसके जवान बख्तरबंद वाहन से अपने शिविर लौट रहे थे, तभी उन पर हमला किया गया। विस्फोटक हमले की चपेट में आने के बाद वाहन में आग लग गई। जवान किसी तरह वहां से निकलने में सफल रहे, लेकिन इसके बाद उनसे संपर्क टूट गया। लापता जवानों की मदद के लिए अल सल्वाडोर के हेलीकॉप्टर भी भेजे गए, लेकिन उन पर भी गोलीबारी की गई। सेना ने बताया कि अन्य देशों के सुरक्षा बलों ने भी सहायता की कोशिश की है। हालांकि, संघर्ष की तीव्रता और इलाके में बिगड़े सुरक्षा हालात के कारण तलाशी अभियान में मुश्किलें आ रही हैं। हैती में गिरोहों की हिंसा पर काबू पाने और सुरक्षा व्यवस्था बहाल करने के लिए संयुक्त राष्ट्र समर्थित गैंग समर्पशन फोर्स (जीएसएफ) तैनात है। इस बल ने भी बताया कि पोर्ट-औ-प्रिंस के सैंटो इलाके में उसके कर्मियों को ले जा रहे एक वाहन पर हमला हुआ।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 9/11 हमले के आरोपित की याचिका खारिज की

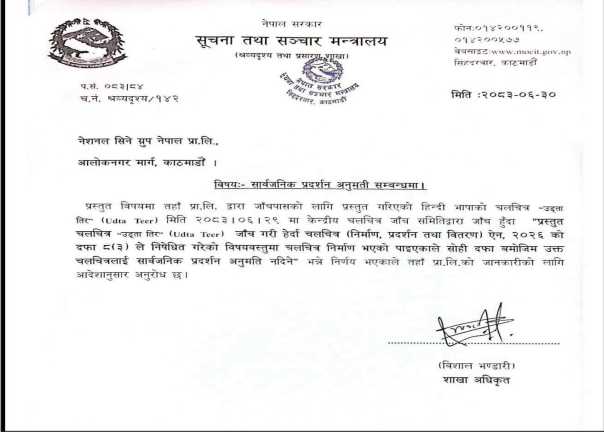


वाशिंगटन। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने 11 सितंबर 2001 के आतंकवादी हमलों के कथित मास्टरमाइंड खालिद शेख मोहम्मद के साथ हुए समझौते को बहाल करने की मांग खारिज कर दी है। इस समझौते के तहत मोहम्मद को अपना अपराध स्वीकार करने के बदले मृत्युदंड से राहत मिल सकती थी और बिना पैरोल के उम्रकैद की सजा दी जानी थी। मोहम्मद पर अपहृत विमानों को न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर और पेंटागन से टकराने की साजिश तैयार करने तथा उसे निर्देशित करने का आरोप है। इस हमले में एक अन्य अपहृत विमान पेंसिल्वेनिया के एक मैदान में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। समझौते को सैन्य अभियोजकों और ग्वांतानामो बे से जुड़े पेंटागन के वरिष्ठ अधिकारी की मंजूरी मिली थी। हालांकि, तत्कालीन अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने 2024 में इसे रद्द कर दिया। उनका तर्क था कि 9/11 जैसे गंभीर हमले में मृत्युदंड से जुड़ा फैसला लेने का अधिकार रक्षा मंत्री के पास होना चाहिए। मोहम्मद के बचाव पक्ष ने दलील दी थी कि ऑस्टिन ने समझौते को रद्द करने में देरी की और उनका कदम अधिकारों के दायरे से बाहर था लेकिन अपीलीय अदालत के बहुमत ने ऑस्टिन के फैसले को उनके अधिकार क्षेत्र में माना। इसके बाद समझौते को फिर से लागू कराने की मांग सुप्रीम कोर्ट पहुंची, जिसे अब खारिज कर दिया गया है।

मेहरदाद अखलाधी केताबची ईरान के रक्षामंत्री नियुक्त, संसद ने दी मंजूरी

तेहरान (ईरान),एजेंसी। एयरोस्पेस तकनीक और सैन्य औद्योगिक उत्पादन के विशेषज्ञ मेहरदाद अखलाधी केताबची को ईरान का रक्षामंत्री नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति ऐसे समय पर की गई जब अमेरिका के साथ युद्ध के और तेज होने की आशंका है। 68 वर्षीय अखलाधी को रविवार को संसद की ऑनलाइन बैठक में मंजूरी मिली। 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका-इजराइल के बाद से संसद की बैठकें ऑनलाइन हो रही हैं। अखलाधी रक्षा और सशस्त्र बल लॉजिस्टिक्स मंत्रालय की कमान संभालेंगे। उनकी नियुक्ति के पक्ष में कुल 237 सांसदों ने वोट दिया, जबकि 15 ने इसके खिलाफ मतदान किया। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, इस पद पर कुछ समय से आसीन माजिद इब्न-ए रजा अब अखलाधी के डिप्टी (सहायक) के रूप में काम करेंगे।अखलाधी पर ईरान के सैन्य औद्योगिक ढांचे को फिर से बनाने और उसका विस्तार करने की जिम्मेदारी होगी, जिसे अमेरिका और इजराइल ने अपने हमलों में बुरी तरह निशाना बनाया है। नए मंत्री की रक्षा योजनाओं को पहले ही वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों, राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान और संसद के ‘राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति आयोग’ से मंजूरी मिल चुकी है। राष्ट्रपति पेजेशकियान ने कहा, ‘इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान किसी भी देश के खिलाफ आक्रामकता की शुरुआत नहीं करेगा, लेकिन अगर कोई हमला होता है तो वह देश की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए पूरी ताकत से और आखिरी दम तक लड़ेगा।’ राष्ट्रपति ने कहा कि

भारत-पाकिस्तान में तनाव की कहानी पर आधारित फिल्म ‘उड़ता तीर’ पर नेपाल में प्रतिबंध



काठमांडू। आयुष्मान खुराना और सारा अली खान अभिनीत फिल्म ‘उड़ता तीर’ को नेपाल में रिलीज करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। आकाश कौशिक के निर्देशन में बनी यह फिल्म शुक्रवार से सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। सूचना तथा संचार मंत्रालय ने फिल्म वितरण कंपनी नेशनल सिने ग्रुप को पत्र लिखकर सूचित किया है कि फिल्म को नेपाल में प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी गई है। मंत्रालय की श्रृंख-दृश्य तथा प्रसारण शाखा ने कहा कि फिल्म में ऐसे विषयवस्तु पाए गए हैं, जिन्हें निर्माण, प्रदर्शन तथा वितरण अधिनियम, 2026 की धारा 8 (3) के तहत प्रतिबंधित किया गया है। इसी प्रावधान के अनुसार फिल्म को सार्वजनिक प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी जा सकती। फिल्म में घुमा-फिराकर भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की कहानी पेश की गई है। इसी वजह से केंद्रीय फिल्म जांच समिति ने इसके सार्वजनिक प्रदर्शन पर रोक लगा दी है। नेपाल के फिल्म लेखक और समीक्षक सामिथ्यराज तिमिल्सिना ने कहा, ‘ऐसी फिल्मों को रोकने का प्रावधान है, जिनसे किसी दूसरे देश की छवि को नुकसान पहुंच सकता है, क्योंकि दोनों देश हमारे मित्र राष्ट्र हैं।’ उन्होंने बताया कि किसी भी देश की राष्ट्रीयता या वहां के समुदाय पर सीधे असर डालने वाली फिल्मों के प्रदर्शन पर रोक लगाने का प्रावधान मौजूद है।



अखलाधी के पास रक्षा मंत्रालय और उससे जुड़े संगठनों में 42 वर्षों से अधिक का अनुभव है। सरकारी मीडिया के अनुसार, उनकी मुख्य विशेषज्ञता बैलिस्टिक मिसाइलों, सॉलिड फ्यूल प्रोपल्शन (ठोस ईंधन प्रणोदन), एयरोस्पेस तकनीक और सैन्य औद्योगिक उत्पादन में है। इससे पहले, उन्होंने शहीद बाघेरो इंडस्ट्रियल ग्रुप, एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज ऑर्गनाइजेशन और डिफेंस इंडस्ट्रीज ऑर्गनाइजेशन के प्रमुख के रूप में काम किया है। अखलाधी और ये सभी संगठन अमेरिकी प्रतिबंधों के दायरे में आते हैं। उन पर संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंध भी लागू हैं। ‘तस्मीम’ के अनुसार, वे पिछले कुछ दशकों में कई तरह की मिसाइलों और

हथियारों के विकास से जुड़ी परियोजनाओं को विकसित करने में शामिल रहे हैं। कहा जाता है कि अखलाधी ने ईरान की प्रमुख ‘सज्जील’ और ‘जोल्फाघार’ बैलिस्टिक मिसाइल श्रेणियों के विस्तार के साथ-साथ ‘अलमास’ मिसाइलों और ‘यासीन’ गाइडेड बमों जैसे सटीक निशाना लगाने वाले हथियारों (प्रिसिजन-गाइडेड हथियारों) को विकसित करने में अहम भूमिका निभाई है। यह भी कहा जाता है कि उन्हें स्पेस लॉन्चर, रिसर्च रॉकेट और सेमनान स्थित ‘इमाम खुमैनी स्पेस सेंटर’ से जुड़े बुनियादी ढांचे में विशेषज्ञता हासिल है। ये सभी ईरान के इजराइल और अमेरिका के खिलाफ युद्धों में महत्वपूर्ण तत्व रहे हैं।

डोनाल्ड ट्रंप रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने के अपने प्रयास से खुश, बड़ी प्रगति का दावा

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के बीच छिड़े युद्ध को खत्म कराने की अपनी कोशिश को कामयाबी की दिशा में बड़ा कदम बताया है। उन्होंने इस संदर्भ में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की की जिद की कड़ी आलोचना की है। अपने प्रयासों से खुश ट्रंप ने रविवार (स्थानीय समय) को दावा किया कि दोनों देशों के बीच जारी संघर्ष को खत्म करने के लिए चल रही बातचीत में बड़ी प्रगति हुई है। उन्होंने रूस के प्रति अपने प्रशासन के राजनयिक दृष्टिकोण का बचाव किया और यूक्रेन के राष्ट्रपति पर आरोप जड़ा कि वह दो साल पहले एक बेहतर समझौता करने में विफल रहे।

ट्रंप ने ट्विथ सोशल पोस्ट में युद्धरत देशों के बीच समझौता कराने की अपनी रणनीति को बहुत अच्छा और आसान बताया। उन्होंने कहा कि इस रणनीति के तहत सुनिश्चित करना है कि रूस को बातचीत की मेज से दूर न धकेला जाए। ऐसा करना मुश्किल होगी। उन्होंने दावा किया कि बंधकों की रिहाई से जुड़ी बातचीत के दस्तावेज दोनों देश जब चाहें हस्ताक्षर कर सकते हैं। ट्रंप ने लिखा, ‘रूस को लेकर मेरा फैसला सीधा है। मैं रूस और यूक्रेन के बीच शांति के लिए बातचीत कर रहा हूं। मैं ऐसा कुछ भी नहीं करना चाहता जिससे रूस बातचीत की मेज से दूर चला जाए। इसमें बहुत अच्छी प्रगति हो रही है। वार्ता में बंधकों की रिहाई का मुद्दा भी शामिल है।’ ट्रंप ने रूस की ईरान की मदद करने के दावों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि अपनी क्षमताओं के मुकाबले माँस्को का



ओटावा (कनाडा)। कनाडा के अल्बर्टा प्रांत में स्थित सैन्य अड्डा (कैनेडियन फोर्सेज बेस वेनराइट) में शनिवार को लगी आग में चार सैनिकों की मौत हो गई। इसकी पुष्टि कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने रविवार को की। उन्होंने कहा कि दर्जनों अन्य लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। उन्होंने इस घटना विवरण तलब किया है। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अल्बर्टा की प्रीमियर डेनियल स्मिथ ने 39 लोग अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं। इनमें से कम से कम 19 की हालत गंभीर है। स्मिथ ने बताया कि पीड़ितों के कैनेडियन फोर्सेज बेस वेनराइट से अल्बर्टा के चार अलग-अलग अस्पतालों में स्थानांतरित किया गया है। मृतकों में सार्जेंट मॉर्गन वॉग, शॉन फैरेल, एडन गोल्डिंग और हेडन लाइकेमार्क शामिल हैं। रक्षामंत्री डेविड मैकगुइटी ने कहा, ‘मुझे यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि बेस पर हुई एक घटना में कुछ लोगों की मौत हुई है और कई लोग घायल हुए हैं।’ प्रथम कैनेडियन डिवीजन के कमांडर मेजर-जनरल वेड स्टर्लैंड ने रविवार को बताया कि प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान घास में लगी आग तेजी से फैल गई। आग लगने के शुरुआती कारणों की जांच चल रही है। स्टर्लैंड ने बताया कि आग पर नियंत्रण पा लिया गया है।

डोनाल्ड ट्रंप रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने के अपने प्रयास से खुश, बड़ी प्रगति का दावा



योगदान बहुत कम है। राष्ट्रपति ने रूस की तेल रिफाइनरियों पर यूक्रेनी हमलों को लेकर जेलेंस्की की आलोचना की। उन्होंने कहा कि इन हमलों से वैश्विक ऊर्जा बाजार को नुकसान पहुंच रहा है। इसमें अमेरिकी बाजार भी शामिल है। उन्होंने रूस को तारीफ की और कहा कि माँस्को ने कम कीमत पर डीजल बेचने पर सहमति जताई है। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि जेलेंस्की संघर्ष को खत्म नहीं करना चाहते, क्योंकि वे यूरोप और अमेरिका से मिलने वाले

नेपाल में आंखों के इलाज के लिए बढ़ रही भारतीय मरीजों की संख्या

काठमांडू,एजेंसी। नेपाल ने नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। इस क्षेत्र में नेपाल को अंतरराष्ट्रीय समुदाय से मिल रहे भरोसे ने देश को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं के आकर्षक केंद्र के रूप में स्थापित करने की संभावनाएं बढ़ा दी हैं। नेपाल नेत्रज्योति संघ के अंतर्गत संचालित आंखों के अस्पताल न केवल भारतीय नागरिकों को उपचार सेवाएं दे रहे हैं, बल्कि विभिन्न देशों में निःशुल्क नेत्र उपचार शिविर भी चला रहे हैं।

नेपाल नेत्रज्योति संघ के नेटवर्क में 28 आंखों के अस्पताल और 226 नेत्र उपचार केंद्र शामिल हैं। इन अस्पतालों और केंद्रों की बेहतर सेवाओं के कारण अब आंखों के इलाज के लिए काठमांडू या सीमा पार दूसरे देशों में जाने की मजबूरी धीरे-धीरे कम हो रही है। इसके विपरीत, अब सीमापार भारत से मरीज आंखों का इलाज कराने नेपाल आने लगे हैं। नेपाली नेत्र अस्पताल उनके लिए आंखों की रोगश्री बचाने का भरोसेमंद केंद्र बनते जा रहे हैं। नेपाली नेत्र चिकित्सकों की विशेषज्ञता, आधुनिक उपकरणों और गुणवत्तापूर्ण सेवाओं का संघ से जुड़े अस्पतालों एवं केंद्रों में अधिकतम उपयोग किया जा रहा है। इसी भरोसे के कारण नेपाल के नेत्र चिकित्सा क्षेत्र में नई संभावनाएं पैदा हुई हैं।नेपाल में आंखों के इलाज की सेवाएं अब देश की अर्थव्यवस्था में भी योगदान देने लगी हैं। नेपाल नेत्रज्योति संघ के मुख्य वित्त अधिकारी सीए देवराज पंत ने बताया कि भारतीय मरीजों की बढ़ती संख्या से देश में विदेशी मुद्रा का प्रवाह बढ़



रहा है। उन्होंने कहा कि नेपाल के अस्पतालों में इलाज कराने आने वाले भारतीय मरीजों की संख्या बढ़ रही है। उनसे होने वाली आय ने इस क्षेत्र में नई आर्थिक संभावनाओं को उजागर किया है। उनके अनुसार, नेपाल नेत्रज्योति संघ के नेटवर्क में शामिल अस्पतालों और उपचार केंद्रों ने वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय मरीजों को उपचार सेवाएं देकर 150 करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा अर्जित की है। पंत ने कहा कि यह केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं है,

बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेपाली स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति बढ़ते विश्वास का भी प्रमाण है। गुणवत्तापूर्ण नेत्र चिकित्सा के माध्यम से विदेशी मुद्रा अर्जित करना इस क्षेत्र में व्यापक संभावनाओं के द्वार खोलता है। उन्होंने बताया कि विदेशी मरीजों से होने वाली आय नेपाल में नेत्र चिकित्सा सेवाओं की आर्थिक क्षमता को भी सामने ला रही है। नेपाल में आंखों का इलाज कराने आने वाले मरीजों में सबसे बड़ी संख्या भारतीय नागरिकों की है। इसके अलावा बांग्लादेश,

भूटान और अन्य देशों के नागरिक भी नेपाली नेत्र अस्पतालों की सेवाएं ले रहे हैं। किसी मरीज के परिजनों के लिए इलाज कराने दूसरे देश जाने का निर्णय लेना आसान नहीं होता। उपचार की गुणवत्ता, चिकित्सकों पर भरोसा, खर्च, अस्पताल तक पहुंच, उपचार के लिए प्रतीक्षा अवधि, पहले के अनुभव और आर्थिक स्थिति जैसे कई कारक इस निर्णय को प्रभावित करते हैं। नेपाल नेत्रज्योति संघ के कार्यकारी निदेशक डॉ. शैलेश कुमार मिश्र के अनुसार, वित्त वर्ष

2025-26 तक संघ से जुड़े अस्पतालों और उपचार केंद्रों ने नेपाली तथा भारतीय नागरिकों सहित कुल 5 करोड़ 2 लाख 489 मरीजों को नेत्र चिकित्सा सेवाएं प्रदान की हैं। इसी अवधि तक 56 लाख 59 हजार 624 लोगों की आंखों की सर्जरी की जा चुकी है। डॉ. मिश्र ने कहा कि अनुभवी नेत्र विशेषज्ञों, आधुनिक तकनीक एवं उपकरणों, सर्जरी के बेहतर परिणाम, मरीजों के प्रति अखंड सेवा, तुलनात्मक रूप से कम प्रतीक्षा अवधि और सुलभ उपचार खर्च के कारण नेपाल में नेत्र चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता बेहतर हुई है। इसी वजह से सीमावर्ती क्षेत्रों सहित विभिन्न देशों के मरीज नेपाली अस्पतालों में उपचार कराना पसंद कर रहे हैं। विदेशी मरीजों से होने वाला आर्थिक लाभ केवल अस्पतालों में जमा होने वाले उपचार शुल्क तक सीमित नहीं है। मरीज होटल, परिवहन, भोजन, दवाइयों और स्थानीय बाजारों में भी खर्च करते हैं। उनके साथ आने वाले परिजनों और सहयोगियों के खर्च से भी विभिन्न व्यवसायों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ती हैं। इसके अलावा, कुछ मरीज उपचार के साथ नेपाल के धार्मिक और पर्यटन स्थलों का भ्रमण भी करते हैं। इससे अस्पतालों के बाहर होटल, परिवहन, पर्यटन और अन्य क्षेत्रों में रोजगार तथा कारोबार बढ़ने की संभावनाएं पैदा होती हैं। इस तरह नेपाल में नेत्र चिकित्सा सेवाओं का विस्तार न केवल लोगों की आंखों की रोगश्री बचाने में मदद कर रहा है, बल्कि स्वास्थ्य पर्यटन के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का अवसर भी प्रदान कर रहा है।

